ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 340 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

07 जून 2025 शनिवार

आज का मौसम

36 अधिकतम

26 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

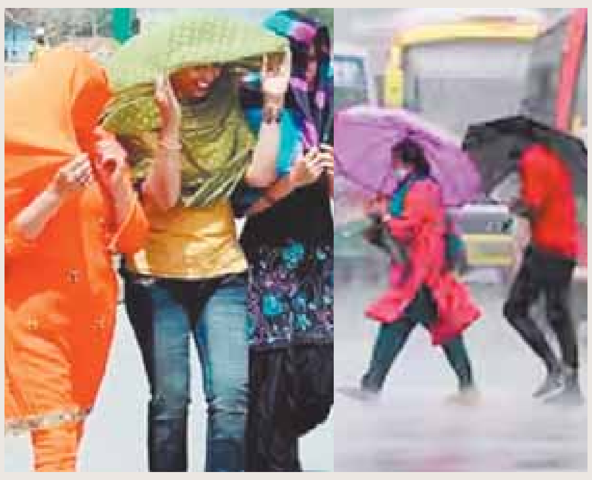

मानसून ठिठका, गर्मी-लू को मिला स्पेस!

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मानसून के ठहर जाने से गर्मी और लू को स्पेस मिलता नजर आ रहा है। इसके चलते देश के उत्तरी इलाकों में एक बार फिर गर्मी बढ़ने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में अगले दो दिन तापमान 5 डिग्री तक बढ़ेगा, लू भी चल सकती है। दरअसल, 24 मई को केरल में एंट्री करने वाला मानसून 6 जून तक महाराष्ट्र के विदर्भ, दक्षिणी छत्तीसगढ़, ओडिशा और सिक्किम में रुका है। मध्यप्रदेश में जून महीने में तेज आंधी और बारिश के साथ हीट वेव यानी, लू का भी असर देखने को मिल सकता है। हालांकि मानसून पहले पखवाडे के बीतने के पहले मप्र की सरहदों पर दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने 9 और 10 जून को ग्वालियर-चंबल के जिलों में लू का अलर्ट जारी कर दिया है। इससे पहले आज व कल कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहेगा। आज 20 जिलों में बारिश होने का अनुमान है। इनमें इंदौर, उज्जैन, भोपाल, झाबुआ से लेकर खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, आदि शामिल हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी बनी हुई है। इस वजह से आंधी-बारिश वाला मौसम है। अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

आरसीबी के विजयी जश्न के दौरान 11 मौतें हुई थी

भगदड़ कांड की नैतिक जिम्मेदारी..क्रिकेट संघ के दो पदाधिकारियों ने दिए इस्तीफे

बंगलूरू, एजेंसी। चिन्नास्वामी स्टेडियम के भगदड़ कांड के बाद विवादों में घिरे कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ बैकफुट पर आ रहा है। बताया जा रहा है कि संघ के ए.शंकर और ईएस जयराम ने सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आरसीबी के आईपीएल ट्रॉफी समारोह के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ले ली है। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी। अब एक संयुक्त बयान में शंकर और जयराम ने कहा कि उन्होंने केएससीए अध्यक्ष को इस्तीफा सौंप दिया है। हालांकि, हमारी भूमिका बहुत सीमित थी। इससे पहले केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी कि गेट प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन संघ की जिम्मेदारी नहीं थी। उन्होंने विधान सौधा में आरसीबी आईपीएल समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। विधानसौध में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर अनहोनी हो गई। जहां आरसीबी के सोशल मीडिया आमंत्रण के बाद लाखों लोग एकत्र हुए,इसे बाद में हटा दिया गया। इस वजह

से विजय परेड को रद्द करना पड़ा, लेकिन स्टेडियम के अंदर समारोह जारी रहा।

सरकार को भेजे पत्र में क्या लिखा : कार्यक्रम अनुमति के लिए भेजे गए केएससीए के पत्र के मुताबिक, मेसर्स डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से केएससीए यह सूचित करने का अनुरोध करता है कि अगर तीन जून 2025 को आईपीएल फाइनल के बाद अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु खिताब जीतता है तो मेसर्स डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड विधानसौधा ग्रैंड स्टेप्स में सम्मान समारोह की योजना बनाएगा। महासंघ ने राज्य सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को जारी पत्र में लिखा कि केएससीए अनुरोध करता है कि आवश्यक व्यवस्था करने की अनुमति दी जाए।

'दबाव और मजबूर करने वाली परिस्थितियां केएससीए ने राज्य हाईकोर्ट में दलील दी कि उसके पदाधिकारियों को किसी भी तरह की गलती के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। वे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं है। संस्था ने अपनी रिट याचिका में कहा, 'आईपीएल कार्यक्रम आरसीबी की ओर से अपने सेवा प्रदाता डीएनए नेटवर्क के माध्यम से आयोजित किए जाते हैं और केएससीए की भूमिका बहुत सीमित है। पुलिस ने बिना किसी प्रारंभिक जांच के अत्यधिक दबाव और मजबूर करने वाली परिस्थितियों में याचिकाकर्ता/केएससीए के सदस्यों को आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज की है।

सरकार भी एक्शन में

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी आज एक्शन में हैं उन्होंने अपने पॉलिटिकल सेक्रेटरी के गोविंदराज को बर्खास्त कर दिया है। बेंगलुरु के एडीजी इंटेलिजेंस हेमंत एम निंबालकर का ट्रांसफर किया गया। रवि एस. उनकी जगह लेंगे। भगदड़ में घायल 25 साल के रोलन गोम्स ने कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन मे आरसीबी, केएससीए औसर डीएनए एजेंसी के खिलाफ FIR दर्ज कराई। जबकि सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के खिलाफ शिकायत की है।

सिंधु जलसंधि

पाकिस्तान ने भारत को भेजे चार पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधु जल संधि बहाल करने को लेकर पाकिस्तान ने अब तक भारत को चार लेटर भेजे हैं। खबरों के मुताबिक इन चार लेटर में से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजा गया है। ये चार पत्र पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा ने जल

शक्ति मंत्रालय को भेजे। इसके बाद मंत्रालय ने उन्हें विदेश मंत्रालय को भेज दिया। ज्ञात हो कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 में पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके तहत सिंधु वाटर सिस्टम की 3 पूर्वी नदियों का पानी भारत इस्तेमाल कर सकता है और बाकी 3 पश्चिमी नदियों के पानी पर पाकिस्तान को अधिकार दिया गया था। अब जल संधि स्थगित होने से पाकिस्तान में जल संकट मंडराने लगा है।

पोल का नतीजे

'द अमेरिकन' मस्क की नई पार्टी का नाम!

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रम्प से विवाद के बाद मस्क ने सोशल मीडिया X पर एक जो पोल शेयर करके अमेरिका में एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने को लेकर जो राय मांगी थी। उस पर 80.4% लोगों ने हां में जवाब दिया है। अब इस पोल के खत्म होने के बाद मस्क ने रिपोस्ट करते हुए लिखा-

'द अमेरिकन पार्टी। यानी माना जा रहा है कि वे अपनी पार्टी का नाम द अमेरिकन पार्टी रख सकते हैं। हालांकि, मस्क ने अभी तक इसे लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। वहीं, रूस के एक सांसद ने मस्क को राजनीतिक शरण देने की बात कही है। रूसी सांसद दिमित्री नोविकोव ने कहा कि अगर मस्क को जरूरत पड़ी, तो रूस उन्हें शरण दे सकता है। हालांकि रूसी सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ईद की नमाज: देश की सलामती और फिलिस्तीन के लिए दुआ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। देशभर में आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) मनाया जा रहा है। इस मौके पर भोपाल में मुसलमानों ने नमाज अदाकर देश और फिलिस्तीन के लिए दुआ की। ईदगाह में शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी, ताजुल मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब ने नमाज पढ़ाई। नमाज के दौरान मुल्क की

सलामती, इंसाफ के कयाम और बीमारों की शिफा, फिलिस्तीनी भाइयों की हिफाजत, उनकी भूख-प्यास और हालात को लेकर दुआ मांगी गई। शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने अमनो अमान और अच्छी बारिश के साथ ईद की नमाज का समापन किया। इससे पहले मुल्क की सरहदों और सलामती के दुश्मनों से हिफाजत की दुआ के साथ ही फिलिस्तीन में जुल्म झेल रहे मासूमों, भूख-प्यास से जूझ रहे बच्चों और औरतों की राहत के लिए दुआ की गई।

कश्मीर को जोड़ने वाली पहली ट्रेन श्रीनगर पहुंची

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर को देश के बाकी हिस्से से जोड़ने वाली पहली ट्रेन आज सुबह 8:10 बजे कटरा स्टेशन से रवाना हुई। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस तीन घंटे के सफर के बाद 11:10 बजे श्रीनगर स्टेशन पहुंची।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल इसका उद्घाटन किया था। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के टिकट IRCTC की वेबसाइट से बुक किए जा सकेंगे। ट्रेन में दो ट्रैवल क्लास हैं। चेयरकार का किराया 715 रुपए और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1320 रुपए है। यह ट्रेन हफ्ते में 6 दिन चलेगी। अभी सिर्फ बनिहाल में रुकेंगी। सड़क के रास्ते जम्मू से कश्मीर जाने में 8 से 10 घंटे का समय लगता है। यह पांच घंटे कम हो गया है। यह ट्रेन मंगलवार को नहीं चलेंगी।

आज ईद पर गाजा पहुंच सकती हैं ग्रेटा थनबर्ग

तेलअवीव, एजेंसी। गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहीं स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग आज गाजा तट पर पहुंच सकती हैं। वे जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। ग्रेटा अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो 'मैडलीन' नाम के एक जहाज पर सवार हैं। उनकी टीम 2000 किमी की दूरी तय कर ईद के मौके पर यानी आज रात तक गाजा पहुंच सकती है। इस बीच, इजराइल सरकार ने कहा है कि वह जहाज को गाजा में घुसने नहीं देगी।

जरूरत पड़ी तो इसे रोकेगी और उसमें मौजूद लोगों को गिरफ्तार भी कर सकती है। इधर इजराइल की धमकी के बाद जहाज पर मौजूद लोगों ने अमेरिका और ब्रिटेन से मदद की गुहार लगाई है। फिलिस्तीनी मूल की अमेरिकी नेता रशीदा तलीब ने ट्रम्प प्रशासन को एक पत्र लिख अमेरिकी विदेश मंत्रालय से मैडलीन जहाज को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने की मांग की है।

छात्रा की अंग्रेजी सुन शिक्षा मंत्री के होश उड़े, हाथ जोड़े

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर जब बारां दौरे पर पहुंचे और उन्होंने जिला परिषद सभागार में खुली जनसुनवाई की तो एक रोचक घटना देखने को मिली। इस जनसुनवाई में मौजूद छात्रा

दामिनी हाडा ने जब शिक्षा मंत्री से अंग्रेजी भाषा में बातचीत करना शुरू किया तो मंत्री पहले हैरान रह गए, फिर हंसते हुए अपने कान पकड़े और हाथ जोड़कर छात्रा का अभिवादन करते हुए कहा 'मैं तो गांव का आदमी हूं, मुझे अंग्रेजी समझ में नहीं आती।' इसके बाद बातचीत हिंदी में हुई। दामिनी ने जिले के सरकारी स्कूलों की दुर्दशा, बदहाल भवन, शिक्षकों की कमी और संसाधनों के अभाव के बारे में मंत्री को अवगत कराया। उसने बताया कि कैसे सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

बाल-बाल बचे यादव

तेजस्वी के काफिले में घुसा ट्रक, कई घायल

पटना, एजेंसी। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव एक बड़े हादसे का शिकार होते बाल-बाल बचे हैं। यादव के काफिले में एक ट्रक घुस आया और ट्रक ने स्कॉर्ट गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें सुरक्षा घेरे में चल रहे कई जवान गंभीर रूप से घायल हुए। हादसा तब हुआ जब देर रात

करीब 1:30 बजे मधेपुरा से पटना लौटने के दौरान तेजस्वी यादव नेशनल हाईवे पर चाय पीने के लिए रुके थे। तेजस्वी के साथ प्रवक्ता शक्ति यादव और कुछ अन्य नेता गाड़ी से उतरे ही थे कि एक तेज रफ्तार ट्रक काफिले में घुस आया। हादसे में सुरक्षा में तैनात तीन सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गए। जिन्हें लेकर तेजस्वी यादव आनन-फानन में नजदीक के सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे।

मेट्रो एंकर

स्टॉक और बैंड मार्केट होगा क्रैश, *रिच डैड पुअर डैड* के लेखक की नई चेतावनी

अयोग्य नेताओं ने बुरी तरह फंसा दिया, इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट का समय अब आ गया...!

न्यूयार्क, एजेंसी। दुनियाभर में मशहूर और बेस्ट सेलिंग बुक 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक और मशहूर अमेरिकी कारोबारी रॉबर्ट कियोसाकी ने अब नई चेतावनी जारी की है। उन्होंने लिखा है- 'इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट' आ रही है। कियोसाकी ने ङ्क पर अपनी लिखा, 'मुझे डर है कि अब पतन का समय आ गया है और पूरी गर्मी यह जारी रहेगा।' खुद कियोसाकी ने कहा कि 2013 में आई उनकी किताब रिच डैड प्रोफेसी में 'इतिहास के सबसे बड़े' मौजूदा वित्तीय पतन का अनुमान लगाया गया था। अब स्टाक, बॉन्ड और रियल एस्टेट मार्केट सब परेशानी में हैं और डर है कि लाखों लोग, खासतौर पर बेबी बूमर जनरेशन के पुराने निवेशक अपनी बचत गंवा सकते हैं। उन्होंने लिखा, 'दुर्भाग्य से, लाखों खासतौर पर मेरी जनरेशन के बूमर्स- स्टॉक मार्केट और बॉन्ड मार्केट क्रैश होने पर खत्म हो जाएंगे।' हालांकि इस डराने वाले पूर्वानुमान के बावजूद,

कियोसाकी को एक उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। उनका मानना है कि यह गिरावट उन लोगों के लिए भी अवसर पैदा करेगी जो प्रोएक्टिव हैं और समझदारी से निवेश करते हैं। उनके अनुसार, चांदी मौजूदा समय में बाजार में सबसे अच्छा सौदा है और इसका वैल्यू तीन गुना हो सकती है। अच्छी खबर यह है कि चांदी अब भी 60 प्रतिशत ऑल टाइम हाई लेवल से नीचे है। अभी भी कीमत लगभग 35 डॉलर है। जबकि सोना और बिटकॉइन अब तक के ऑलटाइम हाई लेवल पर या उसके करीब हैं।' उन्होंने अपने फॉलोअर्स से आने वाले दिनों में अपने वित्तीय विकल्पों के बारे में सावधानी से सोचने का आग्रह किया व कहा, 'चांदी की कीमत लगभग 35 डॉलर प्रति औंस है, जिसका मतलब है कि दुनिया में कहीं भी लगभग हर किसी के पास अमीर बनने का मौका है, जबकि लाखों लोग गरीब हो जाते हैं। कियोसाकी ने अपनी पोस्ट को एक सवाल और सलाह के साथ खत्म किया आप कल क्या करने जा रहे हैं अमीर बनो या गरीब बनो मगर कृपया अमीर बनना चुनें।'

हर चीज का बुलबुला फूट रहा है

कियोसाकी ने लिखा, 'हर चीज का बुलबुला फूट रहा है। मुझे डर है कि यह इतिहास का सबसे बड़ा क्रैश हो सकता है। जर्मनी, जापान और अमेरिका अब तक विकास के इंजन रहे हैं। दुर्भाग्य से हमारे अयोग्य नेताओं ने हमें एक जाल में फंसा दिया है... एक बड़े क्रैश में। मैंने इस क्रैश के बारे में अपनी किताब रिच डैड्स में लिखा था...।' वहीं निवेश विश्लेषक भी मंदी की आशंका जता रहे हैं। लंदन में एजे बेल के डैन कोट्स वर्थ ने कहा, 'ट्रंप को बाजार का रक्षक माना जाता था, जिन्होंने कम टैक्स और कम सख्त नियमों का वादा किया था। अब उनके कार्य विनाश के सूचक हैं।'

अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग से बढ़ी यात्रियों की मुश्किलें

स्टेशन के गेट पर रोज जाम व अव्यवस्था के नजारे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर यात्री आजकल आसानी से आवागमन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि बाहर की ओर आने-जाने के रास्ते पर दुकानदारों द्वारा किया गया अतिक्रमण इसमें बाधा बन रहा है और भीड ट्रेफिक जाम की स्थिति बन रही है।

ऑटो रिक्शा वाले भी रोड पर बेतरतीब तरीके से खड़े हो रहे हैं, जिससे महिला यात्रियों को आने-जाने में समस्या हो रही है। हालांकि यात्रियों की बढती समस्या व शिकायतों को देखते हुए रेल प्रशासन ने 25 ऑटो रिक्शा वालों को नई बिल्डिंग के सामने जगह उपलब्ध करवा दी है। वे यहीं पर अपने ऑटो खड़े रखकर यात्रियों को उनके गंतव्य की ओर ले जाएंगे।

गर्मियों की छुट्टी के चलते मुसाफिरों की संख्या बढ़ी

बताया जाता है कि अव्यवस्था के चलते स्टेशन मैनेजर आरके मिश्रा के अलावा डिप्टी स्टेशन मैनेजर एके खरे और आरपीएफ टीआई मनीष कुमार, जीआरपी टीआई जहीर खान ने नई बिल्डिंग के सामने उन दो स्थानों का चयन किया, जहां पर ऑटो रिक्शा खड़े करने से यात्रियों को समस्या न हो। बताया जाता है कि सुबह, दोपहर व शाम के समय जब ज्यादा संख्या में ट्रेनें आवागमन करती हैं, तब भीतर की ओर तथा बाहर की तरफ ट्रैफिक जाम हो जाता है। इस समय प्लेटफॉर्म नंबर-6 की ओर मेट्रो का काम चल रहा है। इस वजह से उस एंट्री से आम दिनों में आने वाले करीब 35 हजार में से 15 हजार तक यात्री प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर आ रहे हैं। इस वजह से इस तरफ यात्रियों का लोड बढ़ा है। वहीं गर्मी की छुट्टियो के चलते भी मुसाफिरों की संख्या अपेक्षाकृत रूप से अधिक है। उधर चाय-पान सहित अन्य ठेले वाले भी प्लेटफॉर्म नंबर-1 की ओर नई बिल्डिंग के सामने दीवार से सटकर खड़े हो रहे हैं तो दूसरी तरफ कई लोग गाड़ियां बाहर ही पार्क कर देते हैं जिससे भी समस्या होती है।

समय से पहले खराब हो जाएंगी ये सडकें व ब्रिज

आंबेडकर सेतु की तरह ही 100 से ज्यादा सड़कें व ब्रिजों पर ठहरेगा बारिश का पानी

निर्माण एजेंसियां नहीं कर पा रही पानी निकासी की व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बारिश खत्म भी नहीं होती, उसके पहले शहर की सड़कें जर्जर हो जाती है। हर साल यही हो रहा है, जिसके बाद सरकार को इन्हें ठीक करन के लिए करोड़ों खर्च करने पड़ते हैं।

इस साल भी यही होना है, इसके संकेत हाल में हुई हल्की बारिश में दिख चुके है जब डॉ. आंबेडकर सेतु के पर डीबी मॉल के सामने पानी थम गया था। यह पानी दो दिन तक थमा रहा, लेकिन इसकी निकासी नहीं कराई गई। अंततः धूप में वाष्पीकरण व वाहनों की आवाजाही के साथ पानी खत्म हुआ। शहर में यह केवल एक ही पाइंट नहीं है, सड़कों व ब्रिजों पर ऐसे कई स्थान है जिस पर पानी थम रहा है, निकासी व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण यह स्थिति बन रही है। विशेषज्ञों की माने तो डामर की परत पर पानी थमने से वह खराब होता है और जल्दी परतें छोड़ने लगता है। एक तरह से डामर व पानी की दुश्मनी मानी जाती है, जो भी हो लोगों को ऐसी अनदेखियों के कारण परेशान होना पड़ता है।

शहर में यहां भी अनदेखी

- नर्मदापुरम रोड पर प्रधान मैरिज गार्डन से 11 मिल बायपास के लिए 80 फिट रोड जाता है, यह पूरी तरह सीमेंट कांक्रीट से बना है, जो करीब 5 साल तक काम के बाद बनाया गया। इसमें जगह–जगह पानी थम रहा है।
- चेतक ब्रिज से 11 मिल तक मुख्य मार्ग पर करीब 500 स्थानों पर पानी थम जाता है। सड़क के किनारे नालियां भी नहीं है, बारिश का पानी घंटों थमा रहता है। यह पूरा रोड डामर से बना हुआ है।
- बोर्ड आफिस से लेकर ज्योति चौराहे तक ढलान वाला हिस्सा है, यहां पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण घंटों पानी थमा रहता है।
- सुभाष स्मृति भवन से कर्मचारी चयन मंडल के बीच वाले मार्ग पर नालियों के नाम पर खानापूर्ति की है, जगह–जगह होल बंद है। पानी ठीक से पास नहीं होता।

सड़कों के खराब होने से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है विपरित असर

सड़कों के खराब होने से कई नुकसान होते है। इनमें सबसे बड़ा नुकसान तो वायु प्रदूषण के रूप में सामने आता है। बारिश बंद होते ही ठंड का सीजन शुरू होता है, तब नमी रहती है। नमी में खराब सड़कों से फैलने वाली धूल के कण भारी हो जाते हैं जो वातावरण में निचले स्तर पर रहते हैं और सीधे लोगों द्वारा ली जाने वाली श्वास के साथ शरीर के अंदर जाकर नुकसान पहुंचाते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर खराब होती है छवि

ठंड के दिनों में शहर की आबोहवा खराब होने के पीछे सबसे अहम कारण खराब सड़कों से फैलने वाली धूल को माना जाता है। वास्तव में धूल के कारण ही शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से 400 के बीच तक पहुंच जाता है। ठंड के ज्यादातर दिनों में भोपाल व ग्वालियर जैसे शहरों का वायु प्रदूषण सूचकांक सबसे बड़ा हुआ होता है, जो देश के ज्यादातर शहरों की तुलना में अधिक होता है। राष्ट्रीय स्तरीय पर इन शहरों की छवि अधिक प्रदूषण वाले शहरों के रूप में निर्मित होती है। जिसके कई अप्रत्यक्ष नुकसान उठाने पड़ते है।

विशेषज्ञों की राय, अभी ये करें निर्माण एजेंसी

- पानी किसी भी सड़क व ब्रिज पर न थमे, इसका पुख्ता इंतजाम किया जाए।
- जिन सड़कों के किनारे नालियां नहीं है, वहां नालियां बनाई जाएं।
- सड़कों के सेंटर पाइंट में ढलान वाली व्यवस्था हो। जिन सड़कों पर पानी निकासी के लिए होल बनाए है, उन होलों की सफाई कराई जाए।

वेतन नहीं मिलने से नाराजी

ननि की कचरा कलेक्शन टीम नाराज, दो घंटे रोका काम तो जागे अफसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में रोज सुबह डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का काम करने वाले आजकल नाराज हैं। इसके चलते गत दिवस यह कीम करीब दो घंटे तक थमा रहा। सैलरी नहीं मिलने से नाराज कर्मचारियों ने कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर ही गाड़ियां खड़ी कर दी। जैसे ही यह जानकारी अफसरों तक पहुंची, उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि सैलरी बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दी जाएगी। इसके बाद कर्मचारी माने और कचरा उठाया जाने लगा। दरअसल, नगर निगम में करीब 6 हजार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हैं। जिनमें सफाई मित्र और वाहन चालक शामिल हैं। इन्हें हर महीने 10 से 12 तारीख तक सैलरी मिलती है। इस बार ईद होने की वजह से पहले सैलरी की मांग कर रहे थे, लेकिन जब शाम तक सैलरी नहीं मिली तो इन्होंने लामबंद होकर शुक्रवार सुबह कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर ही गाड़ियां खड़ी कर दी और गली-मोहल्लों में कचरा लेने नहीं पहुंचे। करीब डेढ़ घंटा तक उनका प्रदर्शन चला। नगर निगम भोपाल सार्थक कर्मचारी संघ के बैनरतले कर्मचारियों ने यह प्रदर्शन किया और विरोध दर्ज कराया। इसके बाद डिप्टी कमिश्नर चंचलेश गिरहारे ने चर्चा की। उन्होंने आज दोपहर तक सैलरी ट्रांसफर होने की बात कही। इसके बाद सभी कर्मचारी मान गए। अफसरों का दावा है कि बाद में कचरा कलेक्शन रोज की तरह हुआ।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने लिया बड़ा फैसला

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट मिलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान देने का निर्णय लिया है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी को छोड़कर की जाएगी। यह छूट निम्नदाब उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय (सोलर ऑवर) के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी।

कंपनी ने कहा है कि घरेलू और गैर घरेलू सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट श्रेणी के उपभोक्ताओं को सोलर

ऑवर (सुबह) 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। गैर-घरेलू और निम्दाब के औद्योगिक उपभोक्ताओं, आटा चक्की आदि को सौर आवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं छूट

वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

मोती मस्जिद में ईद की नमाज अदा करते मुस्लिम धर्मावलंबी

राजधानी भोपाल में आज ईद–उल–अजहा (बकरीद) के मौके पर हजारों मुसलमानों ने नमाज अदा कर मुल्क और फिलिस्तीन के लिए दुआ की। ईदगाह में शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी, ताजुल मसाजिद में मौलाना हस्सान साहब ने नमाज पढ़ाई। नमाज के दौरान मुल्क की सलामती, इंसाफ के कयाम और बीमारों की शिफा, फिलिस्तीनी भाइयों की हिफाजत, उनकी भूख–प्यास और हालात को लेकर दुआ मांगी गई। **फोटो– निर्मल व्यास**

चयनित उम्मीदवारों की प्रोविजनल सूची जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऊर्जा विभाग के अधीन 6 बिजली कंपनियों में विभिन्न खाली पदों की पूर्ति हेतु आयोजित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों के अंतर्गत कनिष्ठ अभियंता(विद्युत), कनिष्ठ अभियंता(सिविल), विधि सहायक, कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन एवं लाइन परिचारक के पदों को भरने के लिए दस्तावेज सत्यापन हेतु प्रोविजनल सूची जारी कर दी है। कुल

546 सफल आवेदकों की प्रोविजनल सूची जारी हुई है। कंपनी ने बताया कि सूची में शॉर्टलिस्ट आवेदकों में कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) के 63, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के 5, विधि सहायक के 21 एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-तीन के 309 आवेदकों को 23 जून से 25 जून तक अलग-अलग तारीखों में दस्तावेज सत्यापन के साथ ही लाइन परिचारक के 148 आवेदकों को 26 जून को शारीरिक दक्षता परीक्षण हेतु व्यक्तिगत सूचना जारी की गई है।

मेट्रो एंकर

11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः दस दिवसीय योग समावेश का शुभारंभ

आरोग्य केन्द्र में विभिन्न गतिविधियां, प्रशिक्षण देगा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय योग समावेश का शुभारंभ हुआ। 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मिनिस्ट्री ऑफ आयुष एवं सेंट्रल कौंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी ने इस बार एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य योग थीम रखी है।

योग समावेश में आरोग्य केंद्र द्वारा विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योग सत्र, योग कार्यशालाएं, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम और विशेष व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। अनुभव समारोह, 15 जून 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें सिद्धभाऊ शामिल होंगे।

योग समावेश कार्यक्रम मानसिक स्वास्थ्य पर

केंद्रित 10 दिवसीय योग अभ्यास है, जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को संरचित मानसिक स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को शामिल करते हुए एक परिवर्तनकारी स्वास्थ्य अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, संत हिरदाराम एमबीए, बोरवन वॉकिंग ट्रैक एवं नगरवन में योग प्रशिक्षण एवं योग एवं स्वास्थ्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी होगी, जिसमें टाइप 2 डायबिटीज, ब्रोंकियल अस्थमा और उच्च रक्तचाप पर चर्चा होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7 बजे थेरेपी अभ्यास सत्र से होगा, जिसके बाद विशेषज्ञों द्वारा संगोष्ठी सत्र आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने आयोजित किया ग्रेजुएशन शो-2025 कार्यक्रम

भारत की परम्परा में विविधता है, जो विश्व में अन्य कहीं नहीं है: मंत्री परमार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) द्वारा होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में ग्रेजुएशन शो -2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार शामिल हुए। ?कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री परमार ने कहा कि भारत की परम्परा में विविधता है, जो विश्व में अन्य कहीं नहीं है। हमारे यहां हर क्षेत्र में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। फैशन डिजाइन से लेकर हर क्षेत्र में कार्य हो रहे हैं। देश में विविधता हजारों वर्षों से विद्यमान है।

इस परम्परागत विरासत को संजोने की आवश्यकता के लिए देश के हर राज्य में, समाज जीवन में विद्यमान परम्पराओं पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शोध एवं अनुसंधान करने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों में उत्कृष्ट प्रतिभा है। संस्थान द्वारा रोजगार सृजन के साथ साथ, सांस्कृतिक विरासत पर कार्य करना प्रेरक है। भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर वैश्विक बाजार में स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए इससे विश्वमंच पर भारतीय ज्ञान की पहचान पुनर्स्थापित होगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) भोपाल के कैंपस अकादमिक समन्वयक देव ज्योति गांगुली एवं प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारी सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर किया संवाद-

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर उनसे संवाद किया और उनके प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री परमार ने निफ़्ट संस्थान को अखिल भारतीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। इस वर्ष के ग्रेजुएशन शो में फैशन मैनेजमेंट स्टडीज़, टेक्सटाइल डिज़ाइन और फैशन एंड लाइफस्टाइल एक्सेसरीज़ विभागों के छात्रों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उद्योग-संगत और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध डिज़ाइन प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए।

यहीं से राहुल गांधी ने किया था जातिगत जनगणना के लिए भाजपा पर दबाव डालने का दावा

राहुल के दावों के बाद भाजपा ने किया पलटवार, भोपाल को चुना

भाजपा ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण को भोपाल पहुंचाया

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीते दिनों भोपाल से दावे किए थे कि भाजपा को जातिगत जनगणना के लिए कांग्रेस ने मजबूर किया। लेकिन ये लोग यह काम आसानी से नहीं करने वाले। फिर भी दोनों सदनों से बिल पास होकर रहेगा। वैसे भी भाजपा वालों को जरा सा धक्का दो तो ये डर जाते हैं। राहुल गांधी का यह बयान देशभर में वायरल हुआ। जिसके बाद भाजपा ने पिछड़ा वर्ग के नेताओं को आगे कर दिया है। शुक्रवार को भाजपा राष्ट्रीय मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यशाला को संबोधित किया। जिसमें कहा कि कांग्रेस व उसके नेता हमेशा से पिछड़ा वर्ग विरोधी रहे है, जिसकी वजह से उक्त वर्ग को हमेशा ही झटके मिले। दावे किए कि कांग्रेस के ही शासनकाल में जातिगत जनगणना बंद हुई थी। असल कल्याण भाजपा व उसके राष्ट्रीय नेताओं की सोच से हुआ। जबकि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस झूठ फैलाकर माहौल बिगाड़ने और बांटने की कोशिशें करती रही है, उसने उक्त वर्ग के हित में कभी कोई ठोस निर्णय नहीं लिए। बैठक में पिछड़ा वर्ग से आने वाले मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। जिनके बीच तय किया गया कि पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र व राज्य सरकरों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

पहले क्यों नहीं की जातिगत जनगणना की मांग

डॉ. के लक्ष्मण ने कहा कि 60 सालों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं और नेहरू-गांधी परिवार के तीन-तीन सदस्य प्रधानमंत्री रहे। उस समय जातिगत जनगणना की मांग क्यों नहीं की? राहुल गांधी जब विपक्ष में हैं तो लोगों के गुमराह करने के लिए और वोटों की राजनीति के लिए जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। अंग्रेजों के जमाने से देश में जातिगत जनगणना होती रही, लेकिन देश के स्वतंत्र होने पर पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने सेंट्रल सेंशस एक्ट के माध्यम से जातिगत जनगणना बंद कर दी। पं. नेहरू ने काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया। ओबीसी कमीशन नहीं बनाया। आगे चलकर स्व. मोरारजी देसाई की सरकार ने मंडल कमीशन का गठन किया। बाद में इंदिरा गांधी की सरकार ने उस पर चुप्पी साधे रखी और स्व. वीपी सिंह की सरकार ने उसे लागू किया। 1961 में पं. नेहरू ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर आरक्षण को आर्थिक आधार पर किए जाने की बात कही थी।

भाजपा न पहले पीछे हटी न अब हटेगी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय भाजपा ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। जातिगत जनगणना की बात से भाजपा कभी पीछे नहीं हटी। 2014 में मोदी सरकार बनने पर तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि हम जातियों को जोड़कर जनगणना करेंगे, लेकिन कोविड संकट के कारण यह संभव नहीं हो सका। कांग्रेस पार्टी ने देश पर करीब 60 सालों तक शासन किया, लेकिन झूठ फैलाकर माहौल बिगाड़ने, लोगों को गुमराह करने और ज्ञान बांटने के अलावा कुछ नहीं किया। पिछड़ा वर्ग आयोग कहीं अधिकार संपन्न न हो जाए, इस डर से कांग्रेस ने आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट को बरसों तक ठंडे बस्ते में डाले रखा। कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न दिए जाने की राह में रोड़े अटकाए और कदम-कदम पर उनका अपमान किया। मध्यप्रदेश की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने

देवी अहिल्या बाई त्रिशताब्दी जयंती वर्ष के अवसर पर कार्यक्रम

लोकमाता के अद्भुत न्याय शासन, मंदिर और आर्थिक प्रणाली से लेनी चाहिए सीख : उपाध्याय

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती वर्ष के अवसर पर समारोप कार्यक्रम का आयोजन बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के ज्ञान विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। आयोजन लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती वर्ष समारोह समिति और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दौलतराम इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सीपी शर्मा उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि समकालीन विकृतियों को दूर करने के लिए लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के अद्भुत न्याय शासन, मंदिर तथा आर्थिक प्रणाली से सीखना चाहिए। आर्थिक प्रणाली एवं सामाजिक न्याय प्रणाली को समाज में लागू करना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके काल में मंदिरों को विकास का केंद्र बनाया गया। उन्होंने देवी अहिल्याबाई द्वारा स्थापित न्याय प्रणाली की चर्चा करते हुए कहा कि अगर हम देवी अहिल्याबाई होल्कर को सच में श्रद्धांजलि देना कहते हैं तो उनके आदर्शों पर चलकर भारत में न्याय व्यवस्था लागू करना चाहिए।

अहिल्याबाई की जीवन चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें- प्रो. एसके जैन

मुख्य अतिथि सीपी शर्मा ने कहा कि मैं सरकार को धन्यवाद देता हूँ कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के माध्यम से उनके योगदान को जन जन तक पहुंचाया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके जैन ने श्रोताओं को प्रोत्साहित किया कि वह अहिल्याबाई की जीवन चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। इस अवसर पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर पर आधारित तीन महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। श्री शिरोमणि दुबे द्वारा रचित पुस्तक दीपशिखा अहिल्याबाई, डॉ रचना चौहान की पुस्तक हिंदू समृद्धि देवी अहिल्याबाई होलकर तथा आयुषी जैन द्वारा रचित बहु आयामी व्यक्तित्व अहिल्या देवी भाग 2 का विमोचन किया गया।

यूजी-पीजी में पंजीयन का आंकड़ा 2.90 लाख पार, आज सत्यापन का अंतिम दिन

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजीकॉलेजों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग ई-प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शुक्रवार को अंतिम दिन तक प्रदेशभर करीब 2 लाख 90 हजार पंजीयन यूजी-पीजी में हुए हैं। जबकि 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी करा लिया है। करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों ने च्वाइस लॉक कर दी हैं। उल्लेखनीय है कि ई-प्रवेश प्रक्रिया में इस बार प्रदेश के 562 सरकारी और 364 निजी कालेज जोड़े गए हैं। वंचित विद्यार्थी सात जून तक सत्यापन करा सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग 12 जून को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी 13 से 18 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 13 से 18 जून 2025 तक होगा। प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने पर प्रवेश नहीं माना जाएगा।

एबीवीपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित हुए 4 प्रस्ताव

कोचिंग संस्थानों की मनमानी पर रोक, कुलपतियों नियुक्ति पर भी रहा फोकस

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की रायपुर में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर एबीवीपी द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा एवं प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बैठक में देशभर से आए 478 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जहां पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति और छात्र हित को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तीन दिवसीय बैठक में चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए हैं। इनमें कोचिंग संस्थानों की मनमानी पर रोक, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्ति में विलंब, देश की आंतरिक सुरक्षा और विश्वविद्यालयों में बढ़ती वैचारिक

अस्थिरता के समाधान शामिल हैं। बैठक में यह निर्णय किया गया कि कोचिंग संस्थानों पर नियंत्रण व नियमों के क्रियान्वयन की आवश्यकता है ताकि देश में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बाजार-निर्भर न हो जिससे विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन प्रभावी व परिणामकारी बन सके।बैठक में भविष्य में भगवान बिरसा मुंडा और रानी अबक्का जयंती समारोह, आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम और यशवंत राव केलकर शताब्दी वर्ष के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की योजना बनाई गई है।

सदस्यता लगभग 60 लाख के करीब पहुंची-

मध्यभारत प्रांत के प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की सदस्यता लगभग 60 लाख के करीब पहुंच गई है। इस साल इस आंकड़े को एक करोड़ तक पहुचाने का लक्ष्य है। एबीवीपी केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पित, वैचारिक रूप से सजग युवाओं का निर्माण कर रहा है।卐 छात्र संघ चुनाव को लेकर यदि सरकार ने शीघ्र घोषणा नहीं की, तो उग्र आंदोलन करने के लिए संगठन बाध्य होगा।

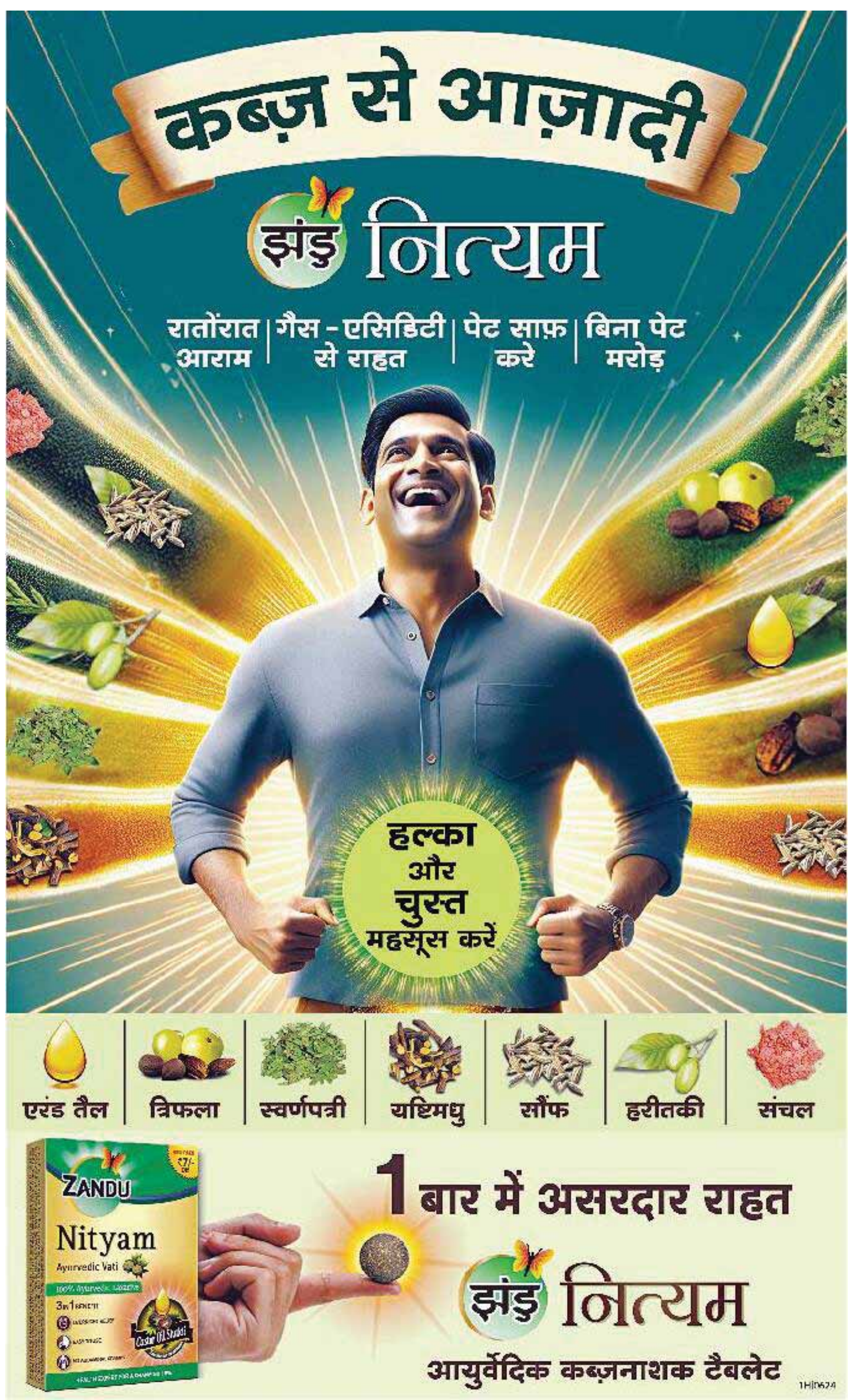

मेट्रो एंकर

आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने जारी किए दिशा-निर्देश

नगरीय निकायों में मानसून पूर्व साफ-सफाई अभियान

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत नगरीय निकायों ने शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। विशेषकर बारिश के दौरान जल-भराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिये नाले-नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय ने दिशा-निर्देश जारी किये है। साफ-सफाई अभियान 413 नगरीय निकायों में एक साथ शुरू किया गया है। शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में आवासीय एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नालियों से

जमी हुई गाद निकालकर गहरी सफाई की जा रही है। वर्षा काल के दौरान जल का प्रवाह सतत रूप से हो सके, इसके लिये नालों के सभी छोर पर जाली लगाई जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

नगरीय निकायों को निर्देश दिये गये है कि नाले-नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही तत्काल की जाये। शहरी क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम के लिये ब्लीचिंग पॉउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है। नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों के कार्यों की सतत निगरानी रखने के लिये भी कहा गया है। प्रदेश में 413 स्थानीय नगरीय निकाय है। इनमें नगरपालिक निगम 16, नगरपालिका परिषद 99 और नगर परिषद 298 है।

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी इकाइयाँ

प्रदेश में सूखे कचरे के प्रसंस्करण के लिये 405 नगरीय निकायों में 360 मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी इकाइयों का निर्माण किया गया है, जिनके माध्यम से सूखे एवं गीले कचरे को अलग अलग घटकों में बाँटकर प्रसंस्करण के लिये भेजा जाता है। इन इकाइयों से सूखे कचरे की छटाई करके बेचे जाने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के 100 प्रतिशत नगरीय क्षेत्रों में आवासों और व्यावसायिक क्षेत्रों से कचरा संग्रहण व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है।

संपादकीय

लापरवाहियों से बनी हादसे की जमीन

बंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास जुटी भी के अनियंत्रित हो जाने के बाद भगद? में ग्यारह लोगों की मौत और तीस से ज्यादा लोगों के घायल के बाद अब एक्शन का दौर है। कर्नाटक सरकार ने पुलिस कमिश्नर समेत कई अफसरों को निलंबित कर दिया है तो क्रिकेट संघ के अफसरों को भी गिरफ्तार किया है। इस हादसे के बाद सियासी आरोपों का दौर तीखा है। पहली नजर में माना जा सकता है कि आयोजन में बरती गई घोर लापरवाही का ही उदाहरण यह हादसा है। हैरानी यह कि वहां क्रिकेटप्रेमियों की जितनी बड़ी संख्या जुटी थी, उसमें आशंका के बावजूद कई स्तर पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की गई और एक तरह से हादसे की जमीन तैयार होती चली गई। इंडियन प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के तहत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अठारह वर्षों के बाद खिताबी जीत हासिल की थी लेकिन यह हादसा इस जीत को बेरंग कर गया। जीत पर आम लोगों का खुशी जाहिर करना स्वाभाविक था, लेकिन वहां हालात ऐसे हो गए कि इस क्रम में उम्मीद से काफी ज्यादा लोग जमा हो गए। इसके बाद स्टेडियम में प्रवेश करने की एक जगह अव्यवस्था फैल गई और फिर भगदड़ मच गई। नतीजा बेहद त्रासद साबित हुआ, जिसमें अपनी पसंदीदा टीम की जीत पर जश्न मनाने पहुंचे कई लोगों की भगदड़ में कुचल कर मौत हो गई और कई बुरी तरह घायल हो गए। सवाल है कि मैचों का आयोजन करने के लिए जिम्मेदार संबंधित क्रिकेट संगठन और पुलिस के लिए इस बात का अंदाजा लगाना जरूरी क्यों नहीं लगा कि जितनी बड़ी तादाद में लोग वहां इकट्ठा हो गए थे और मैच के नतीजे के बाद से ही जश्न मनाने का जो स्वरूप देखने में आ रहा था, उसके बाद कैसे हालात पैदा हो सकते हैं! यह भी खबर आई कि करीब पैंतीस हजार लोगों के आने की उम्मीद थी, लेकिन वहां दो से तीन लाख लोग आ गए। इस बात की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि स्टेडियम की क्षमता से करीब दस गुना ज्यादा लोगों के वहां पहुंचने के क्या कारण थे और उन्हें एक जगह पर जमा होने से रोकने के लिए क्या इंतजाम किए गए। जीत के कुछ समय बाद जश्न मनाने के बजाय इतनी जल्दी कार्यक्रम की इजाजत क्यों और किस स्तर पर दी गई? क्या मुफ्त पास मिलने की खबर के बाद जश्न में शामिल होने वाले लोगों की संख्या और पैदा होने वाली स्थितियों या आशंकाओं का आकलन किया गया? इस तरह के जश्न मनाए जाने की घोषणा और कार्यक्रम शुरू होने के बीच कितना समय था और इसमें लोगों की भीड़ से निपटने के लिए कैसी तैयारी की गई? विडंबना यह है कि किसी खेल में जीत-हार को खेल भावना के तहत ही देखने और संयमित अभिव्यक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देने को लेकर सरकार और खेल संगठन शायद ही कभी गंभीर होकर सोचते हैं। इसके अलावा, देश भर में आए दिन धार्मिक आयोजनों सहित अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों में लोगों के जमावड़े और उसके बाद अव्यवस्था की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की घटनाएं होती रहती हैं। हर बार इस तरह की त्रासदी को महज हादसा मान कर आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन शायद ही कभी भगदड़ की किसी घटना से सबक लेकर लोगों की संख्या, जुटने के लिए नियम-कायदे और भगदड़ रोकने के लिए हर स्तर पर व्यवस्था और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाता है। हालत यह है कि जब किसी वजह से भगदड़ मच जाती है, तब बचाव और राहत कार्यों के लिए भी पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते।

लंबे युद्ध के बजाय युक्तिपूर्ण प्रहार की रणनीति

■ ले. जन. एसएस मेहता (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दावों और जवाबी दावों के भंवर में, सच्चाई को चुपचाप किनारे सरका दिया गया है। पाकिस्तानी भारतीय विमानों को गिराए जाने और वीरतापूर्ण प्रतिरोध की कहानियों का खूब ढिंढोरा पीट रहे हैं। उसकी सेना द्वारा संचालित मीडिया तंत्र जिसको मनोवैज्ञानिक प्रभाव बनाने में महारत है ने तथाकथित जीत की कहानियां गढ़ी हैं। फिर हुई भव्य तमाशेबाजी। जनरल असीम मुनीर को पदोन्नत कर फील्ड मार्शल बना दिया गया। पहलगाम हमले को हरी झंडी दिखाने का इनाम। जिसे वे अपने कंधों पर लिए फिर रहे हैं लेकिन यहां मूल वास्तविकता है -यह अभियान युद्ध को लंबा खींचने के लिए नहीं बल्कि युक्तिपूर्ण प्रहार था,जिसने सीधा उद्देश्य दुश्मन के इरादों को निशाना बनाना था। इससे पहले कि असली लड़ाई शुरू होती, पाकिस्तान ने शांति की गुहार लगा दी। जब-जब आतंकी चालबाजियों के परिणाम सामने आने लगते हैं, तब-तब पाकिस्तान खुद एक तमाशा बनकर रह जाता है- मिसाइलें उसकी नष्ट हो गईं, जेट विमान गिरा दिए गए, वीरता का अता-पता तक नहीं। ये भ्रम एक ऐसे जनसमूह के लिए गढ़े गए हैं, जो लंबे समय से सेना के नियंत्रण वाले देश के बंधक हैं। असलियत यह है कि भारतीय क्षेत्र पर हुए हमलों को ऐन वक्त पर निष्फल कर दिया गया। हमारी संयुक्त वायु रक्षा कारगुजारी का प्रदर्शन सर्वोच्च उत्कृष्टतापूर्ण रहाङ्गस्टीक गणना, मिलजुलकर और समन्वय से किया अभियान। यह संदेश उन लोगों के दिमाग पर छप जाना चाहिए, जो हवाई दुस्साहस का सपना देख रहे हैं। युद्ध हैशटैग ट्रेंड करवाकर या राष्ट्रीय झंडों में लिपटे आतंकवादियों को राजकीय अंतिम संस्कार का सम्मान देकर नहीं जीते जाते। वे तब जीते जाते हैं जब दुश्मन के मुख्य बुनियादी ढांचे पर हमला हो जैसे कि एक सटीक प्रहार में 11 पाकिस्तानी वायुसेना अड्डे अंधेरे में डूब गए। तब पर्दे के पीछे की गतिविधियां सक्रिय करनी पड़ गई। ताकत के कारण नहीं, बल्कि 'आगे क्या होगा?' के डर से। जैसा कि सीडीएस अनिल चौहान ने कहा, हमने परमाणु जंग पर भड़काऊ बयान नहीं दिये, धमकियां नहीं दी ङ्ककोई नागरिक हताहत नहीं हुआ। प्रहारों को आबादी वाले इलाके से दूर रखा,लेकिन सैन्य हवाई अड्डों, गोदामों और लॉन्च पैड पर सटीकता से वार किया गया। तब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने संपर्क किया ङ्क वैश्विक दबाव में नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि भारत ने युद्ध के नियम बदल दिए हैं।

अब नया सैन्य सिद्धांत चल रहा है। जरूरी नहीं कोई रणनीति दुश्मन के साथ पहली ही झड़प में सफल हो। ऑपरेशन सिंदूर भी इस मायने में अलग नहीं। लेकिन इसके बाद रणनीति में सुधार तत्काल किए गए। परिचालन प्रतिक्रियाओं के लिए विभिन्न कमानों के बीच समन्वय की आवश्यकता थी। रणनीतिक पुनर्संतुलन को स्पष्टता और गति की दरकार थी। ऑपरेशन सिंदूर ने इन तीनों को कर दिखाया। अग्रिम सीमा से लेकर एयरबेस तक और उच्चतम सैन्य स्तर तक, प्रत्येक मंच और कमान स्तर पर सुसंगतता और नियंत्रण के साथ काम करके।

जहां भारत वास्तविक समय में पुनर्संतुलन बनाने में लगा था वहीं विरोधी अपनी छद्म जीत की घोषणा करने के लिए दौड़ पड़ा- आंशिक तथ्यों पर आधारित जीत के दावे, जिन्हें आगे बढ़ा-चढ़ाकर कई मंचों ने प्रचारित किया। प्रभुत्व के दावे के कुछ घंटों के भीतर, पाक ने 11 हवाई अड्डों की परिचालन क्षमता खो दी। बड़बोलेपन की जगह चुप्पी ने ले ली। ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया कि 21वीं सदी के सैन्य सिद्धांतों का लक्ष्य क्या होना चाहिए। कम लागत, उच्च प्रभाव वाले परिणाम, जो युद्ध के विस्तारित होने से पहले रुक जाएं। यह ऑपरेशन संतुलित प्रतिरोधक उपायों का एक सबक बन गया।

संघर्ष समाप्ति का भारतीय मॉडल – आधुनिक काल की लड़ाइयों में देखने में आया कि युद्ध शुरू तो आसानी से हो गए ङ्क लेकिन शायद ही कभी कोई जल्द समाप्त हुआ हो। वियतनाम व इराक में काफी देर चला, अफ़गानिस्तान में दशकों तक खिंचा और दर्प चूर-चूर हुआ। रूस-यूक्रेन घिसटता जा रहा है। गाजा शायद लाइलाज नासूर बन गया है। महाशक्तियां हवाई श्रेष्ठता में बेशक हावी हैं ङ्क लेकिन युद्ध समाप्त करने में विफल रही हैं। जबकि भारत ने ऐसा दो बार कर दिखाया है। साल 1971 में, जब ढाका में तगड़ी किलेबंदी युक्त 30,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने 3,000 भारतीय सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पाकिस्तान ने मात्र 13 दिनों में हथियार फेंक दिए। नब्बे हज़ार से अधिक युद्धबंदी बनाए गए। यह सैन्य साजो-सामान पर मानसिक दृढ़ता की जीत थी लड़ाई लंबी खींचने की बजाय युक्तिपूर्ण प्रहार।

अब 2025 में, ऑपरेशन सिंदूर जिसे 88 घंटों में अंजाम दिया गया उद्देश्य था संघर्ष जल्द खत्म करना – रणक्षेत्र में दुश्मन पर हावी होना। भारत ने वांछित परिणाम लागू किए और फिर संयम चुना। भारत ने युद्ध को विस्तारित होने से रोका क्योंकि पाकिस्तान की अस्थिरता जानबूझकर निर्मित है ङ्क न कि आकस्मिक। वर्षों से पाकिस्तान में अस्थिरता को औजार के रूप में बरता जाता है। पाकिस्तान का संरक्षक बने चीन को फायदा इसमें है कि भारत लगातार प्रतिक्रियात्मक मुद्रा में उलझा रहे। भारत का ध्यान भटके रहना चीन के रणनीतिक उद्देश्यों के माफिक है। वहीं पाकिस्तान के दोगलेपन को लंबे समय से स्वीकार करने के बावजूद, अमेरिका अभी भी उसे अपनी सेना के लिए एक उपयोगी माध्यम के रूप में देखता हैङ्क चाहे यह इलाकाई फायदा हो या खनिजों अथवा अफगानिस्तान तक पहुंच बनाए रखने लिए। बहुपक्षीय संस्थान और पश्चिमी प्रेस के कुछ हिस्से का भी इसमें हित जुड़ा है। खुद अस्थिरता को पोसने वाली पाकिस्तानी सेना पीड़ित होने का दिखावा करती है- और दुनिया, सब कुछ जानते हुए भी, उसका साथ देती है। इस वैश्विक रंगमंच पर, पाकिस्तान एक कठपुतली बना है ङ्कन केवल आतंक के लिए, बल्कि लेन-देन की कूटनीति के लिए भी। और भारत, बहुत लंबे समय से अकेले ही इसकी कीमत चुकाता रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने इसे बदल दिया है। शोर मचाकर नहीं, बल्कि कर दिखाया है। भारत कठपुतलियों से बात नहीं करना चाहेगा। लेकिन पाकिस्तान के लोगों के पास विकल्प है कि खुद को इस्तेमाल किए जाने से इनकार करें। ईमानदार शासन की शुरुआत नागरिकों द्वारा अपनी सेना को यह जतलाने से होगी -'शासन नहीं सेवा करो, तोड़ो नहीं सबको जोड़ो'।

भारतीय सिद्धांत है स्पष्टता, न कि विजय। भारत का यह रणनीतिक दृष्टिकोण समय के साथ विकसित हुआ है। अब हम प्रतिक्रियात्मक नहीं रहे, निरोधक प्रतिक्रिया करने लगे हैं ङ्क सटीक, आनुपातिक और उद्देश्यपूर्ण ढंग से। ऑपरेशन सिंदूर एक परिपक्व सिद्धांत को दर्शाता है फालतू खूनखराबा नहीं, फिर भी विरोधी के व्यवहार को बदलने लायक जरूरी। तमाशेबाजी नहीं, फिर भी रावलपिंडी के सेना मुख्यालय को झटका देने के लिए काफी। लड़ाई जो लड़ने से पहले ही जीत ली जाए। यह विवेकपूर्ण शक्ति-प्रदर्शन है। जब विरोधी आपकी चालों का अनुमान न लगा पाएं, और सहयोगी भी केवल अंदाजा ही कर पाएं, तब एक नया संतुलन उभरता है ङ्क एक ऐसा जिसमें भारत मुखर बना है, तथापि अपने मूल्यों से जुड़ा हुआ। ऑपरेशन सिंदूर युद्धक मंचों या बमबारी के बारे में नहीं था। यह स्पष्टता, पहल और नियंत्रण के संदर्भ में था। एक ऐसी दुनिया में, जहां युद्ध लंबे समय तक खिंच जाते हैंङ्क जिनकी वसूर कीमत नागरिकों- पुरुष, महिलाओं और बच्चों-को चुकानी पड़ती है

भारत ने एक अलग मॉडल पेश किया है – लंबी लड़ाई की जगह युक्तिपूर्ण सीमित प्रहार। जहां दूसरे थकने की हद तक लड़ते रहते हैं, हमने समाप्ति के लिए काम किया। रिकॉर्ड गवाह है कि भारत ने युद्ध से पहले ही युद्ध जीत लिया। जबकि दुनिया के देश देखते रह गए, कुछ घबराए हुए, बाकी जानते हुए। लेकिन निर्विवाद रूप से अब सब को पता चल चुका है।

साभार- लेखक थलसेना की पश्चिमी कमान के कमांडर रहे हैं।

■ रजनीश कपूर

बढ़ती जनसंख्या चुनौती या अवसर आखिर विशाल जनसमूह कैसे बने वरदान?

करीब 1.4 अरब आबादी वाले देश भारत को दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश माना जाता है। यह जनसंख्या, विशेष रूप से इसकी युवा शक्ति, देश के लिए एक अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करती है, जिसे जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) के रूप में जाना जाता है। लेकिन यह लाभांश तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसे सही नीतियों, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन के माध्यम से उपयोग किया जाए। यदि इसका प्रबंधन ठीक नहीं किया गया, तो यह विशाल जनसंख्या अभिशाप बन सकती है। जिससे बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। जनसांख्यिकीय लाभांश उस आर्थिक विकास की संभावना को दर्शाता है जो तब उत्पन्न होती है जब किसी देश की कार्यशील आयु (15-64 वर्ष) की जनसंख्या, गैर-कार्यशील आयु (14 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक) की जनसंख्या से अधिक होती है। भारत में, 2020 तक औसत आयु केवल 28 वर्ष थी, जो इसे विश्व के सबसे युवा देशों में से एक बनाती है। इसके विपरीत, चीन और विकसित देशों जैसे जापान, अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में औसत आयु क्रमशः 37, 45 और 49 वर्ष है। भारत की यह युवा शक्ति अगले कुछ दशकों तक देश की आर्थिक प्रगति को बढ़ावा दे सकती है, बशर्ते इसे सही दिशा में उपयोग किया जाए। चीन ने 1980 और 1990 के दशक में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश को प्रभावी ढंग से उपयोग करके आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर कदम रखा। 1981 में, चीन ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए एक बच्चा नीति लागू की। इससे जनसंख्या वृद्धि की दर कम हुई और कार्यशील आयु की जनसंख्या का अनुपात बढ़ा। हालांकि, इस नीति के दीर्घकालिक प्रभाव, जैसे कि वृद्ध जनसंख्या और लैंगिक असंतुलन, अब चुनौतियां बन गए हैं। चीन ने अपनी युवा जनसंख्या को शिक्षित और कुशल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया। आज, चीन की साक्षरता दर 97 फीसदी है, जबकि भारत की 75 फीसदी है। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान देने से चीन ने अपने कार्यबल को वैश्विक मांगों के लिए तैयार किया। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को कृषि से औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित किया। बड़े पैमाने पर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना और शहरीकरण ने लाखों लोगों को रोजगार प्रदान किया। यह भारत के लिए एक सबक है, जहां विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार वास्तव में घट रहा है।चीन ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी स्थिति को मजबूत किया और सस्ते श्रम के साथ उच्च उत्पादन क्षमता का लाभ उठाया। इससे न केवल आर्थिक विकास हुआ, बल्कि वैश्विक बाजारों में चीन की हिस्सेदारी भी बढ़ी। चीन ने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे में भारी निवेश किया, जिसने औद्योगिक विकास को समर्थन दिया और विदेशी निवेश को आकर्षित किया। भारत की तुलना में, जहां बुनियादी ढांचा अभी भी अपर्याप्त है, चीन का दृष्टिकोण अधिक प्रभावी रहा। भारत की विशाल और युवा जनसंख्या कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जो

इसे अभिशाप बनने की ओर ले जा सकती हैं। हर साल लगभग 12 मिलियन युवा भारतीय कार्यबल में शामिल होते हैं। लेकिन अर्थव्यवस्था केवल 7 मिलियन नौकरियां पैदा कर पाती है। इससे बेरोजगारी और अल्परोजगार की समस्या बढ़ रही है।

उदाहरण के लिए, मुंबई में हाल ही में 8,000 पुलिस पदों के लिए 650,000 आवेदन आए, जो नौकरी की कमी को दर्शाता है। भारत में 95% इंजीनियरिंग स्नातक सॉफ्टवेयर विकास जैसे ज्ञान-आधारित रोजगार के लिए अनुपयुक्त हैं।इसके अलावा, तीन-चौथाई से अधिक स्नातकों को बुनियादी अंग्रेजी बोलने में कठिनाई होती है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक बड़ी बाधा है। भारत सरकार शिक्षा पर अपने जीडीपी का केवल 3% और स्वास्थ्य पर 1.2% खर्च करती है, जो चीन (5.5%) और ब्राजील (9%) जैसे देशों से काफी कम है। इससे मानव पूंजी का विकास बाधित होता है। भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश विभिन्न राज्यों में अलग-अलग समय पर उपलब्ध है। केरल की जनसंख्या पहले से ही वृद्ध हो रही है, जबकि बिहार में कार्यशील आयु की जनसंख्या 2051 तक बढ़ती रहेगी।भारत को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में निवेश बढ़ाना चाहिए। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम जैसी पहल को और मजबूत करना होगा। उद्योग-अकादमिक सहयोग से आधुनिक नौकरियों की मांग के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जा सकती है। भारत को विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना होगा, जैसा कि चीन और पूर्वी एशियाई देशों ने किया। श्रम-गहन विनिर्माण को बढ़ावा देने से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे। इसके लिए नीतिगत सुधार और व्यापार करने में आसानी पर ध्यान देना होगा।

भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी दर हाल के वर्षों में घटी है। लचीली नीतियां, जैसे कि ऑनलाइन प्रशिक्षण और घर से काम करने की सुविधा, महिलाओं को कार्यबल में शामिल करने में मदद कर सकती हैं। समान वेतन और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। भारत को सड़कों, रेलवे, और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। इससे न केवल रोजगार सृजन होगा, बल्कि विदेशी निवेश भी आकर्षित होगा।बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उत्पादक कार्यबल को सुनिश्चित करती हैं। भारत को सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाना होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की पहुंच में सुधार करना होगा। हालांकि भारत में प्रजनन दर घट रही है, फिर भी परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने की जरूरत है।शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से अवांछित प्रजनन को कम किया जा सकता है। यदि भारत इन क्षेत्रों में सही नीतियां लागू करता है, तो उसकी जनसंख्या निश्चित रूप से एक वरदान बनेगी, न कि अभिशाप। भारत की विशाल और युवा जनसंख्या एक ऐसी संपत्ति है जो इसे वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बना सकती है। समय की मांग है कि भारत अपनी जनसांख्यिकीय शक्ति को पहचाने और इसे आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए उपयोग करे।

– साभार

अवसर और सूर्योदय में एक ही समानता है, देर करने वाले इन्हें खो देते हैं

निशाना

रहना है विवादित !

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नज़दीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1942 अमेरिका ने बुल्गारिया, हंगरी तथा रोमानिया के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1942 संयुक्त राज्य अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रोमानिया, बुल्गारिया और हंगरी पर युद्ध की घोषणा की। युद्ध की घोषणा तीन देशों द्वारा हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय संधि की प्रतिक्रिया थी। त्रिपक्षीय संधि एक सैन्य गठबंधन संधि थी जिसमें मुख्य रूप से जर्मनी, इटली और जापान शामिल थे। 2. ये देश पहले ही अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ युद्ध में शामिल थे।
- 1945 मित्र देशों की नियंत्रण परिषद ने जर्मनी पर नियंत्रण कर लिया। मित्र देशों की नियंत्रण परिषद एक सैन्य शासी निकाय थी। इसमें मुख्य रूप से तीन राष्ट्रें संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन और सोवियत संघ शामिल थे, बाद में फ्रांस को भी परिषद में जोड़ा गया था। यह सभी घटना विश्व युद्ध 2 के बाद हुई जो जर्मन हार के परिणामस्वरूप हुई।
- 1947 हार्वर्ड विश्वविद्यालय में एक भाषण में, संयुक्त राज्य के विदेश सचिव जॉर्ज मार्शल ने युद्ध-ग्रस्त यूरोप को आर्थिक सहायता देने के लिए आह्वान किया, एक पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जिसे मार्शल योजना के रूप में जाना जाता है।
- 1963 युद्ध में ब्रिटिश राज्य सचिव जॉन प्रोफुमो ने एसेशियल स्कैंडल में शामिल होने के बारे में पूछताछ के दौरान हाउस ऑफ कॉमन्स में भर्ती हुए और इस्तीफा दे दिया।
- 1967 इजरायल ने मिस्र पर हमला कर उसके करीब चार सौ लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए।
- 1967 इज़राइल और मिस्र के बीच छह दिवसीय युद्ध शुरू हुआ। इजरायल ने मिस्र के हवाई ठिकानों और खेतों पर आश्चर्यजनक हमलों की एक श्रृंखला शुरू की। यह हमला इजरायल सीमा पर मिस्र की सेना के सैनिकों की तैनाती के जवाब में किया गया था।
- 1968 फिलिस्तीनी आप्रवासी सिरहान सरहन ने अमेरिकी राजदूत होटल इनलोस एंजिल्स के किचन पेंट्री के अंदर अमेरिकी सीनेटररॉबर्ट एफ़। कैनेडी को गोली मार दी - एक ऐसी घटना जिसने कई तरह के षड्यंत्रों को जन्म दिया है।
- 1969 एक अंतरराष्ट्रीय कम्युनिस्ट सम्मेलन मास्को में शुरू हुआ।
- 1969 मॉस्को में कम्युनिस्ट और वर्कर्स पार्टियों की अंतर्राष्ट्रीय बैठक शुरू हुई। बैठक में चीनी समर्थक दलों को छोड़कर दुनिया के सभी कम्युनिस्ट दलों ने हिस्सा लिया। बैठक रूसी-चीन कम्युनिस्ट विभाजन और विवादों के बाद आयोजित की गई थी।
- 1972 संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण सम्मेलन में विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत हुई।
- 1975 अरब और इजरायल के बीच छह दिनों के युद्ध के बाद स्वेज नहर फिर से खोल दी गई। यह मिस्र के माध्यम से एक समुद्री समतल नहर है। यह भूमध्य सागर को लाल समुद्र से जोड़ता है। इसका निर्माण व्यापार और समुद्री परिवहन को आसान बनाने के लिए किया गया था।
- 1976 पूर्वी इदाहो, अमेरिका में टेटन डैम पहली बार भरे जाने वाले जलाशय के रूप में ढहा, जिसके परिणामस्वरूप ग्यारह लोगों की मौत हो गई और 13, 000 मवेशी मारे गए और 2 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हुआ।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल पंच सरपंच सम्मेलन में बोले

'सरपंच ठान लें तो अपनी पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बना सकते हैं'

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि पंच सरपंच से कोई भी अधिकार नहीं छीना जाएगा लेकिन पंच सरपंचों का यह प्रमुख दायित्व है कि वह सौपे गए कर्तव्य को पूरा करें। श्री पटेल ने कहा कि पंच और सरपंच यदि ठान ले तो अपनी ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंच और सरपंचों के पास अभी ढाई साल का समय है। इन ढाई सालों में वह अपने ग्राम पंचायत को बेहतर से बेहतर बना सकते हैं। श्री पटेल ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों ने ठीक काम किया उन्हें एक करोड रुपए की राशि दी गई और जिन ग्राम पंचायत ने उत्कृष्ट कार्य करके दिखाया उन्हें 3 करोड रुपए की राशि विकास कार्यों के लिए दी गई। इससे संदेश साफ है की काम करने वाली पंचायतें पुरस्कृत होगी। मंत्री प्रहलाद पटेल शुक्रवार को नर्मदापुरम के जनपद पंचायत प्रांगण में पंच सरपंच सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

श्री पटेल ने कहा कि पंच और सरपंच अधिकार मांगते हैं लेकिन कर्तव्य कहीं पीछे छूट जाते हैं। महात्मा गांधी, राम मनोहर लोहिया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि पंच मै परमेश्वर का वास होता है लेकिन जब उन्होंने यह वाक्य कहा तब कर्तव्य की बात थी तब अधिकार नहीं था लेकिन आज हम कर्तव्य को भूलकर अधिकार की मांग करते हैं। उन्होंने कहा की आजादी के बाद पंचायत को अधिकार नहीं थे, तब ग्राम पंचायत सर्वश्रेष्ठ कार्य करके दिखाती थी। तब कुछ लोग अपनी पंचायत का विकास करने के लिए स्वयं आगे आकर राशि एकत्रित कर विकास के कार्य करते थे, लेकिन आज सभी लोग सरकार से आस रखते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सभी पंच और सरपंच निश्चित रहे उन्हें अधिकार मिलेंगे लेकिन वह अपने कर्तव्य ना भूले। सभी पंच एवं सरपंच ग्राम पंचायत को अपने परिवार की तरह चलाएं। 5 वर्ष की अवधि में ग्राम की भलाई के लिए कार्य करें।

छोटी नदियां बारहमासी बहेगी तभी नर्मदा जैसी बड़ी नदी को बचा पाएंगे

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल ने शुक्रवार को जनपद पंचायत केसला के ग्राम गोलन दोह में हाथेड नदी के उद्गम स्थल पर पूजा अर्चना की। उन्होंने जल देवता को पुष्प नारियल एवं हवन सामग्री अर्पित की और विधि विधान से जल देवता की पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज जल का संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है, यदि हम जल का संरक्षण नहीं करेंगे, जल स्रोतों को पुनर्जीवित नहीं करेंगे तो हमारी जल संरचनाएं धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी और हम बूंद बूंद पानी के लिए वंचित हो जाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम छोटी-छोटी नदियों को बारहमासी बहने योग्य बनाएं तभी हम नर्मदा जैसी बड़ी नदी को बचा पाएंगे।

उन्होंने कहा कि मेरे आराध्य ने कहा था कि जहां पर नदियों का, वृक्षों का एवं मनुष्य का संगम होता है वहां पर जीवन का सृजन होता है। वहां पर जीवन की संभावना होती है। जहां-जहां नदियों का उद्गम होता है चाहे वह दुर्गम क्षेत्र हो चाहे वन क्षेत्र हो वहां पर एक अभूतपूर्व ऊर्जा का संचार होता है, जो भी व्यक्ति नदियों के समीप पहुंचते हैं उन्हें बाकी मनुष्यों की तुलना में दुगुनी ऊर्जा प्राप्त होती है। श्री पटेल ने कहा कि हम अपने पूर्वजों से सीख ले उन्होंने जो पौधा लगाया था वह आज हमें छाया, लकड़ी और फल दे रहा है साथ ही जल भी दे रहा है। वैसे ही हम अब पौधा लगाए यह पौधा अपने लिए नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए लगाए। यदि हम ऐसा नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ी हमसे पूछेगी कि हमने उनके लिए क्या किया था। श्री पटेल ने कहा कि दादा गुरु ने भी कहा है कि जहां नदी है वहां सदी है लेकिन हम इस सत्य को समझने को तैयार नहीं है। हम कोई ग्लेशियर में रहने वाले लोग नहीं है हमें जल वर्षा से, पौधों से और वनस्पतियों से मिलता है।

श्री पटेल ने कहा कि कोई भी ग्राम पंचायत बिना कार्यालय भवन के नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए 1195 ग्राम पंचायत में प्रथम चरण में पंचायत भवन बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया है। पूर्व में इसे सुशासन भवन नाम दिया गया था लेकिन बाद में इसे ग्राम सेवा सदन का नाम दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि कोई ग्राम पंचायत भवन 30 से 35 साल पुराना है तो उस भवन को डिस्मेंटल करके पुनः नया नवीन भवन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में ग्राम पंचायत भवन तीन मंजिला होगी इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी लेकिन आज इंजीनियरों ने ऐसी डिजाइन बनाई है कि अब ग्राम पंचायत भवन तीन मंजिला बनाई जा सकती है। श्री पटेल ने कहा कि पूर्व में पंचायत भवन बनाने के लिए 15 लाख रुपए की राशि दी जाती थी जिसे बढाकर 25 लाख किया गया और अब वर्तमान में 37, 50 लाख रुपए की राशि से पंचायत भवन बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 500 की आबादी में प्रधानमंत्री सड़क बनाई जाती थी लेकिन अब यदि उन ग्राम पंचायत में सहरिया, बैगा, भारिया आबादी है तो 100 की आबादी में भी प्रधानमंत्री सड़क बनाई जा रही है।

श्री पटेल कहां की ग्राम पंचायत का यह प्रमुख दायित्व है कि वह अपनी नाले और नालियां ठीक से बनाएं यदि कहीं नल की टोटी या पाइप फूट गया है तो उसे ठीक करें इसके लिए पंचायत में फंड आता है। पेयजल एवं सड़क, बिजली, पानी की सुविधा उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि 6 लाख प्रधानमंत्री आवास बनाने की चुनौती है। जिसे हर हाल में पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा की आवास की किस्त हितग्राही को समय पर मिले।

पौधरोपण अभियान नर्मदा के नाम पर समर्पित होगा

मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जुलाई और अगस्त माह में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा, यह सभी पौधे तार फेंसिंग के अंदर लगाए जाएंगे और इसे बृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम को मां नर्मदा के नाम पर समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पंच एवं सरपंच कि यह प्रमुख जिम्मेदारी है कि वह पौधा लगाए और उसे जिंवित रखें। नदी और नालों में डल रहे कचरा एवं मैला को रोकना पंच सरपंच की प्रमुख चुनौतियां हैं। पंच सरपंचों का यह प्रमुख कार्य है कि वह नदी और नालों को स्वच्छ एवं साफ रखें और लोगों को सफाई के लिए प्रेरित करें।

श्री पटेल ने बताया कि आने वाले दिनों में प्रत्येक 20 किलोमीटर पर सदा व्रत वालों एवं नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए आश्रय स्थल के रूप में भवन बनाए जाएंगे। जहां नर्मदा परिक्रमा वासी विश्राम कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 247 स्थान पर भी तार फेंसिंग लगाकर पौधारोपण किया जाएगा।

ट्रेनिंग के बाद अग्निवीर की घर वापसी पर नगरवासियों ने किया भव्य स्वागत

तेंदूखेड़ा। एक गरीब घर के लड़के ने अपने परिवार के सहयोग एवं स्वंय की मेहनत से सेना में अग्निवीर की परीक्षाओ में सफला पाकर एवं अपनी टेऊनिंग कर जब घर वापिस आया तो नगर के लोगो ने भव्य स्वागत किया। शुक्रवार को शाम 6 बजे अग्निवीर आजाद साहू पिता रूपचंद साहू का नगर आगमन होने पर नगर की जनता एवं गणमान्य नागरिकों ने आजाद का दिल खोलकर स्वागत किया। विघानगर स्थित ज्वाला मंदिर में पूजा अर्चना के बाद आजाद का फूलमाला तिलक एवं डीजे ढोल के साथ स्वागत जुलूस निकाला गया जो आजाद के घर संपंन हुआ। 7 माह पूर्व आजाद का अग्निवीर में सिलेक्शन हुआ था पुणे के अहमदनगर में ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नगरामन पर नगरवासियों ने हृदय से स्वागत किया। आजाद कहते हैं कि मेरे परिवार ने मेरा पूरा सहयोग किया हैं पिता रूपचंद्र साहू की आर्थिक स्थिती ठीक नहीं थी फिर भी उन्होनें मुझे किसी भी चीज की कभी कोई कमी महसूस नहीं होने दी मेरी पढ़ाई में उन्होनें पूरी मेहनत लगा दी। तब जाकर आज ये मुकाम हासिल हुआ हैं। सभी नगरवासियों को बहुत बहुत धन्यवाद। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, सांसद प्रतिनिधी मूरत सिंह लोधी, रामकुमार साहू, विवेक जैन, मनीष साहू, हरि साहू, लक्ष्मण यादव, प्रदीप जैन, पप्पू घोषी, दीपक कटारे, रघुवीर सिंह लोधी, बहादुर ठाकुर के अलावा नगर के गणमान्य नागरिकों ने आजाद का स्वागत किया।

गंगा दशहरे पर हुई गंगा की पूजा अर्चना

गंजबासौदा। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मां वैत्रवती व्रत पर्व उत्सव समिति ने प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी मां वैत्रवती घाट पर गंगा मैया की पूजा अर्चना, महा आरती कर गंगा अवतरण दिवस मनाया। समिति संस्थापक पंडित अरविंद अवस्थी ने बताया कि गंगा दशहरा का पर्व ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है, जिसे गंगा अवतरण दिवस भी कहा जाता है। इस दिन मान्यता है कि मां गंगा भगवान शिव की जटाओं से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। राजा भागीरथ की कठिन तपस्या के बाद गंगा को पृथ्वी पर लाया गया था ताकि उनके पूर्वजों के पाप धोकर उन्हें मोक्ष मिल सके। इस दिन गंगा नदी या गंगा जल से स्नान करना शुभ माना जाता है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण करना भी शुभ माना जाता है। दान में दस वस्तुएं जैसे अन्न, जल, फल, वस्त्र, घी, नमक, तेल, शक्कर, सुहाग सामग्री और स्वर्ण का दान करना विशेष फलदायक होता है।

पति-पत्नी व मासूम की तांत्रिक ने दी थी बली, आजीवन कारवास की मिली सजा

सिवनी मालवा। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने सन 2021 मे उपनगरी बानापुरा मे माता पिता और बेटे की हत्या तांत्रिक क्रियाओ के लिए नरबली कर हत्या करने वाले दो आरोपियों को जीवन पर्यन्त आजीवन कारवास और 9 हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

घटना इस प्रकार है कि फरियादी विनोद ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि 30 अक्टूबर 2021 को में अपनी पत्नी रुखमनी और पोते सिद्यांश को लेकर नारियल, प्रसाद बेचने के आंवली घाट चला गया था। बानापुरा घर पर बेटा योगेश, बहु सुनीता और पोता दिव्यांश अकेले थे। शाम 5 बजे मोहल्ले वालो ने सूचना दी कि आपके घर मे कोई घटना घटी है। अपने घर पर आ जाओ। घर आकर देखा तो घर के सामने भीड़ लगी थी। सामने की शटर खुली हुई थी। अंदर कमरे मे जाकर देखा तो एक पलंग पर बहु सुनीता और बेटा योगेश मृत अवस्था मे पड़े थे। उन्ही के बगल मे पोता दिव्यांश भी खुन से लथपथ मृत पड़ा था। जिनके सिर और चेहरे पर गंभीर चौटे लगी थी। घर का काफी सामान बिखरा पड़ा था। घर मे पूजन पाठ का सामान रखा था और दीपक जल रहा था। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया। जांच उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय मे प्रस्तुत किया। जहां विचारण के दौरान जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने अभियोजन द्वारा 39 साक्षी परीक्षित कराये सभी ने घटना का समर्थन किया। अभियोजन ने कुल 98 दस्तावेज एवं 21 आर्टिकल भी प्रदर्शित कराये साथ ही सकारात्मक एफ एस एल / डी एन ए रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। न्यायाधीश श्रीमती खान ने प्रस्तुत मौखिक , दस्तावेजी साक्ष्य सकारात्मक रिपोर्टो और लिखित अंतिमं तर्क के आधार पर दोनो आरोपी गण गणेश काशिव, मोनू उर्फ़ मोहन को धारा 302, 201, 460, 380, 34 भादवी का दोषी पाते हुए मृत्यु पर्यन्त आजीवन कारावास से दंडित किया।

पेड़ हमारे जीवन दायक है उन्हें पोषित करना हमारा कर्तव्य है: खान

सिवनी मालवा । पेड़ो से हमे अपने जीवन जीने के लिए प्राण वायु मिलती है इन्हे सुरक्षित और पोषित रखना हमारा कर्तव्य है। उक्त बात जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने विश्व पर्यावरण दिवस पर उपवन मंडल कार्यालय परिसर बानापुरा में विधिक साक्षरता शिविर एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर कही। न्यायाधीश श्रीमती खान ने कहा कि हम वृक्षों पर निर्भर है उनके द्वारा दी जाने वाली ऑक्सीजन हमारी प्राण वायु है। पेड़ रहेंगे तो हम जीवित रहेंगे। पेड़ो के बिना हम जीवित नही रह सकते है। लेकिन लोग अपने स्वार्थ के लिए पेड़ो को और जंगलो को काटने मे लगे है। यह बहुत बड़ा अपराध है। कानून मे इसके लिए सजा का प्राबधान है। इसके लिए लोगो को जागरूक करने की आवश्यकता है।

नोहटा में 24 लाख से बने सामुदायिक भवन का मंत्री ने किया लोकार्पण

तेंदूखेड़ा/दमोह , दोपहर मेट्रो

जिले की जबेरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम नोहटा में 24 लाख रुपए की लागत से बने सामुदायिक भवन का स्थानीय विधायक एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी जी ने लोकार्पण किया इस दौरान उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि इस भवन की मांग निरंतर आप सभी ग्रामवासियों के द्वारा की जा रही थी जिसको मैंने आज किया है। इस के निर्माण से आप सभी अपने पारिवारिक कार्यक्रम कर सकेंगे। आने वाले समय में ऐसे विभिन्न विकास कार्य करेंगे। अभी एक करोड रुपए की लागत से नोहटा खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। नोहटा में बने कल्चुरी कालीन नोहलेश्वर मंदिर का पर्यटन के रुप में विकसित किया जाएगा। मेरा संकल्प है कि अपनी जबेरा विधानसभा प्रदेश में क्रमांक एक की विधानसभा बने इसके लिए मैं निरंतर प्रयास हूं। आप सभी मेरे परिवारिक सदस्य हैं मैंने आप सभी के साथ नोहटा में खेला कूदा हूं और शिक्षा ग्रहण की है। आप सभी के आशीर्वाद से पहले विधायक और अब मंत्री पद प्राप्त हुआ है

सर्वाकुही मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

तेंदूखेड़ा! दोपहर लगभग डेढ बजे सर्वाकुही मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से कमलेश पिता भिम्मु यादव 40 निवासी रोसरा महुंगा की मौत हो गई है। तेंदूखेड़ा पुलिस ने बाली यादव पिता मुन्ना यादव की रिपोर्ट पर मर्ग क्रमाक 31श्च25 धारा 194 बीएनएसएस कायम कर अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है साथ ही मामले की जॉच में लग गई है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने संगोष्ठी कर किया पौधारोपण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के बैनर तले विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय विश्राम गृह में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सेवा निर्वत प्राचार्य ज्ञान प्रकाश भार्गव, पंचतत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी, नवांकुर विद्या पीठ के प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित, ग्राहक पंचायत के प्रांत प्रचार प्रमुख प्रदीप जैन उपस्थित रहे। संगोष्ठी का प्रारंभ माता सरस्वती व देव तुल्य पौधों के पूजन अर्चन दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

अतिथि स्वागत के उपरांत पर्यावरण संगोष्ठी का विधिवद प्रारंभ हुआ। जिसमें नगर के वक्ताओं ने अपने अपने विचार परिचर्चा के माध्यम से रखे। मुख्य वक्ता श्री भार्गव ने विलुप्त हो रहे कुएं व बावड़ी पर गहरी चिंता व्यक्त की और कहा कि इनके जीर्णोद्धार के लिए शासन के माध्यम से विस्तृत योजना की आवश्यकता है। उन्होंने जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण सहित कारखानों से निकलने वाले कैमिकल से नदियों के प्रदूषण पर भी चिंता व्यक्त की ओर एक सघन जनजागृति अभियान की बात कही है। पंचतत्व संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र दांगी ने कहा कि कुछ दशक पहले तक हम सभी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर वृक्षों को पूजते थे लेकिन आज यह परम्परा व मान्यता भी कम होती जा रही है और हम अपने निजी स्वार्थ के लिए वृक्ष को काटने से भी नहीं चूकते। नवांकुर विद्या पीठ के प्राचार्य शैलेन्द्र दीक्षित ने कहा कि पौधारोपण का कार्य भी नेक विचार और मन से होना चाहिए तभी पौधा वट वृक्ष बनता है अपितु राजनीतिक उद्देश्य से आप भले हजारों की संख्या में भी पौधा रोपण कर दो तब भी उसका कोई अर्थ नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हमें पौधा रोपण के साथ साथ पौधों व वृक्षों को बचाने का भी संकल्प लेना चाहिए। ग्राहक पंचायत के प्रांत प्रचार प्रमुख प्रदीप जैन ने ग्राहक पंचायत के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला व बताया कि ग्राहक पंचायत को पर्यावरण के विषय को समाज के बीच उठाने के क्यों आवश्यकता पड़ी श्री जैन ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर सभी से एक संकल्प पत्र भी भरने का आग्रह किया। संगोष्ठी के उपरांत विश्राम गृह परिसर में दो पौधों का रोपण भी किया गया।

पर्यावरण संगोष्ठी में प्रमुख रूप से मुकेश राजपूत, प्रमोद राजपूत, मनोज राठौर, नीलेश चतुर्वेदी,गगन दुवे, अभय जैन,संदीप अरोरा, परसराम दुबे, अभिषेक शर्मा, नितिन सक्सेना,कैलाश चौरसिया,मुकेश सेन, ध्रुव शर्मा, प्रमोद चौरसिया, विवेक विश्वकर्मा,अभिषेक पटेल , शुभेन्द्र राजपूत, शुभम ठाकुर, कपिल शर्मा, ओम प्रकाश चौरसिया, शुभम रघुवंशी, शुभम शुक्ला सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे जिन्होंने अपने अपने विचार संगोष्ठी परिचर्चा में व्यक्त किए। संगोष्ठी के कार्यक्रम का संचालन अमित शुक्ला के द्वारा किया गया व आभार व्यक्त अभिषेक पटेल के द्वारा व्यक्त किया गया।

मेट्रो एंकर कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग के तीनों जिलों में बाढ़ आपदा की तैयारियों की समीक्षा

बाढ़ आपदा से निपटने की व्यापक तैयारिया सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग के तीनों जिलों - नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल - में संभावित बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में तीनों जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देशित किया कि चिन्हित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की अद्यतन जानकारी समय-समय पर एकत्रित की जाए। उन्होंने बाढ़ से निपटने के लिए तीनों जिलों में मोटर बोट, इमरजेंसी लाइट, डाइविंग सूट जैसे आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में रेन गेज की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए ताकि वर्षा की सटीक जानकारी समय पर प्राप्त हो सके।

कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि वर्षा काल के दौरान बांधों, नदियों और नालों में जलस्तर की निगरानी के साथ ही वर्षा की कुल मात्रा की स्पष्ट जानकारी संग्रहित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की वर्षा काल में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए संबंधित विभागों में आपसी सूचना तंत्र मजबूत रखा जाए।

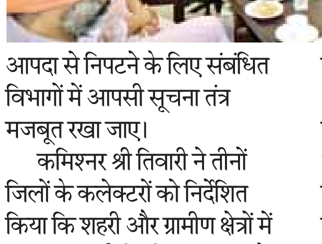

कमिश्नर श्री तिवारी ने तीनों जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न करने वाली संरचनाओं की शीघ्र सफाई और मरम्मत कराई जाए। इसके साथ ही, जर्जर शासकीय एवं अशासकीय भवनों, विद्यालयों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यकतानुसार डिस्मेंटल किया जाए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। खुले हुए बोरवेल एवं कुओं को भी तत्काल बंद करवाया जाए।

कमिश्नर श्री तिवारी द्वारा स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि वर्षा जनित रोगों की रोकथाम के लिए अलर्ट मोड पर रहें तथा आवश्यक दवाओं एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ की संभावनाओं को देखते हुए पूर्व नियोजित तरीके से राहत शिविरों का चिन्हांकित करते हुए उन शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इसके अतिरिक्त, कमिश्नर श्री तिवारी द्वारा तीनों जिलों में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) की स्थापना के निर्देश भी दिए गए ताकि बाढ़ की स्थिति पर 24×7 निगरानी रखी जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल संरचनाओं पर बने पुल-पुलियाओं एवं नालों पर सूचना संकेतक बोर्ड लगाए जाएं ताकि आमजन को समय पर सतर्क किया जा सके।

पशुधन की संभावित हानि को देखते हुए पशु चिकित्सा विभाग को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए। कमिश्नर श्री तिवारी ने कहा कि सभी जिलों में शीघ्र आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर आगामी कार्य योजना तैयार की जाए ताकि बाढ़ आपदा से जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके।

बैठक के दौरान पुलिस महान निरीक्षक श्री मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रशांत खरे, कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरकरन सिंह, उपयुक्त राजस्व गणेश जायसवाल एनआईसी कक्ष तथा कलेक्टर हरदा सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी ऑनलाइन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

देवपुर में करवाया जा रहा है यज्ञ, दूसरे शहरों से भी पहुंच रहे हैं श्रद्धालु

सिरोंज। नगर से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाबा विश्वनाथ स्वामी के धाम देवपुर में पिछले महीने से धार्मिक आयोजनों की धूम मची हुई है यहां पर कई समाजों के द्वारा मंदिर स्थापित किया इसलिए यहां पर चारों तरफ बड़ी संख्या में मंदिर दिखाई देने लगे इसीलिए मंदिरों का तीर्थ स्थल भी यह बन गया है। यहां पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए पहुंचते हैं। वही यहां पर रजक समाज जनों के द्वारा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा रहा है यज्ञ के अलावा अन्य कार्यक्रम हो रहे जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर पहुंचकर सेवा भी कर रहे हैं। भारतीय रजक महासंघ के पदाधिकारी ने देवपुर पहुंच कर रजक समाज मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ के अयोजन में भाग ले रहें। यहां पर आने वाले सभी भक्तों का तिलक लगा एवं गमछा पहनाकर पुष्प देकर स्वागत किया अखिल भारतीय रजक महासंघ के पद अधिकारियों ने बताया कि यज्ञ का महत्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक है यह एक ऐसा अनुष्ठान है जो व्यक्ति को अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक विकास की प्राप्ति में मदद करता हें । यज्ञ एक प्राचीन भारतीय परंपरा है जो व्यक्ति को आध्यात्मिक विकास की प्राप्ति में मदद करती है और उसे अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है यज्ञ में आहुतियां देने से वातावरण शुद्ध होता है और व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है ।

कृषि यंत्रों के लिए आनलाइन पंजीयन शुरू

सिरोंज। विदिशा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के विभाग की पोर्टल की कृषि यंत्र अनुदान के अंतर्गत ट्रैक्टर चली बनी के लिए डायरेक्ट राइस सीडर डीएसआर ब्रांड बैंड करो प्लांटर बीएफ एवं वल्चर कृषि यंत्रों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कार्य 4 जून से शुरू हो गया है। सहायक कृषि श्री पीएस शाक्य ने बताया कि होटल अनुसार बोलने के लिए डायरेक्ट राइस सीडर डीएसआर की कीमत लगभग 1.18 से 1.35 लाख तक है जिस पर अनुदान शासन की योजना के अनुसार अधिकतम 45000 रुपए का है इसके अलावा ब्रॉडबैंड करो प्लांटर बीएफ की कीमत लगभग 95000 से 121000 तक है जिस पर अनुदान अधिकतम 60000 रुपए का है नॉर्वे प्रबंधन के लिए वल्चर की कीमत लगभग 140000 रुपए से 253000 तक है जिस पर अनुदान अधिकतम 90000 रुपए का है इच्छुक कृषक उपयोग जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट कइज.उचकंहम.वतह पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण हुआ संपन्न, समापन पर किया पौधारोपण

सिरोंज। (पथरिया) में नवीन शिक्षक ध्शिक्षिकाओं का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुक्रवार को समापन समारोह कार्यक्रम में बी आर सी ओमप्रकाश

रघुवंशी ने अंतिम दिन प्रशिक्षण में पहुंच कर नवीन शिक्षकों को अध्यापन करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी इस दौरान जन शिक्षक भगत सिंह रघुवंशी, देशराज खान, सुनील राठौर, राजकुमार सेन , समाजसेवी रामबाबू कुशवाहा आदि मौजूद थे इन सबक स्वागत नीलेश प्रजापति शाल श्रीफल के देकर सम्मान किया तथा सभी ने पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने पर जोर देते हुए पौधारोपण करके सभी को खाली स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पौधारोपण करने पर जोर दिया।

जुताई करने पर वन अमले ने ट्रैक्टर को जप्त कर दो को पेश किया कोर्ट में

तेंदूखेड़ा! रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही अभ्यारण की गेम परिक्षेत्र रेंज सर्रा की सर्रा बीट पीएफ 209 वन खण्ड में मुखबिर की सूचना पर वन स्टाप की संयुक्त कार्यवाही में

जुताई करते स्वराज 735 ट्रेक्टर को जप्त करने के अलाव दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। ज्ञात हो कि वनविभाग द्वारा बार बार रोक टोक करने पर काबिज लोगों ने राजस्व अधिकारियों को आवेदन देकर अवगत करते रहे, और राजस्व विभाग उन काबिजों से उस वन खण्ड का मनमाना जुर्माना लेते रहे, इसी आशा से लोग समझते रहे कि ये राजस्व भूमि है। इसके अलावा अभी तक राजस्व विभाग ने ये स्पष्टीकरण नहीं किया कि ये वन भूमि है। जिससे स्पष्ट होता है कि राजस्व ने जुर्माना लिया तो राजस्व विभाग ही इस विवाद की जिम्मेदार है। वर्तमान में पी.एफ. 209 बीट सर्रा के अंतर्गत वनभूमि जो कि सर्रा - माधौ के खसरा नंबर 95 पर दर्ज को मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 01 अप्रैल 1988 के अनुसार माधौं -1 वनखण्ड 30 हेक्टेयर कक्ष क्रमांक 209 में घोषित किया गया है। इसलिए वन्यप्राणी अधिनियम 1972 की धारा 27 एंव 29 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 (1) (ग) एवं 63 के तहत दण्डनीय वन अपराध प्रकरण कायम किया गया। जिसमें आरोपी प्रकाश पिता नंदलाल गौड़ ग्राम -माधौं ट्रेक्टर मालिक एवं रुपा उर्फ वीरा अहिरवार सर्रा को मौका स्थल पर गिरफ्तार कर पीओआर. 5447श्19 दिनांक 04 जून 2025 को वन अपराध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही कर तेंदूखेड़ा न्यायालय में पेश किया गया।

अजा एवं अजजा कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

सिरोंज। विदिशा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग द्वारा जिले के छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। सभी छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया एमपीटास मोबाईल टेबलेट से प्रवेश ऑनलाईन किया जा रहा है। छात्रावास में प्रवेश हेतु प्रोफाइल पंजीयन अनिवार्य है। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास जिला संयोजक द्वारा बताया गया कि प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र-छात्रा अपने सम्बधित विकास खण्ड छात्रावासों के अधीक्षक से संपर्क कर प्रवेश फार्म प्राप्त कर प्रवेश हेतु सीनियर, जूनियर, महाविद्यालयीन, आश्रम में छात्र-छात्रो के लिए छात्रावासों में प्रवेश प्रारंभ किये जा चुके हैं।

इब्राहीम अलेस्सलाम की कुर्बानी की याद में मनाया गया ईद उल अज़्हा का त्यौहार

त्याग का पैगाम देती है ईद उल अज़्हा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज में शनिवार को देशभर में बल्कि समूचे संसार में इस्लाम धर्म के अनुयाई त्याग और बलिदान का महा पर्व ईद-उल-अजहा मना रहे हैं आज सुबह मुस्लिम समुदाय के हज़ारों लोगों ने ईदगाह पर ईद की नमाज सुबह 7 बजे अदा की गई वही शहर की चार बड़ी मस्जिदों में भी ईद की विशेष नमाज अदा की गई ईदगाह पर नमाज से पूर्व मुफ्ती हफीज अहमद साहब ने तकरीर पेश की वहीं ईद की नमाज हाफिज़ मतीन उद्दीन साहब ने पढ़ाई,और और जामा मस्जिद के पेश इमाम इमाम नूरुद्दीन ने खुत्बा पड़ा और दुआ कराई नमाज के पश्चात लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी और कुर्बानी करके हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुर्बानी को याद किया वहीं राजनीतिक दलों ने भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद पेश की जिसमें ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के प्रदेश सचिव डॉक्टर वसीम एवं जिला महासचिव वाजिद कुरैशी ने लोगों को ईद की बधाई दी वहीं ईदगाह सहित सारी मस्जिदों के आसपास बड़ी तादाद में पुलिस प्रशासन के साथ आला अधिकारी पुलिस एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी थाना प्रभारी पंकज गीते नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मेंना भी मौजूद रहे।

क्यों की जाती है कुर्बानी - लोगों को बताया की हर धर्म में कई त्यौहार मनाए जाते हैं जिनका संबंध भूतकाल की किसी घटना या वाक्य से होता है इस्लाम में भी दो त्यौहार मनाए जाते हैं पहला ईद-उल-फितर जो रमजान के तीस रोजे पूरे होने की खुशी में मनाई जाती है दूसरा त्यौहार ईद-उल-अजहा के रूप में मनाया जाता है जोकि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की महानतम बलिदान की याद ताजा करता है हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम को सालों गुजरने के बाद बुढ़ापे में संतान प्राप्ति हुई ईश्वर ने उन्हें बुढ़ापे की उम्र में एक बेटा दिया जिसका नाम हजरत इस्माइल अलैहिस्सलाम था कुछ साल गुजरने के बाद जब वे लाडला जवानी पर पहुंचा तो उसके बाप हजरत इब्राहिम (अलै) को एक सपना देखा जिसमें अल्लाह उनसे कह रहा है कि इब्राहिम जो चीज तुम्हें सबसे प्यारी हो वह मेरी राह में कुर्बान कर दो क्योंकि नबियों के सपने सच्चे होते हैं तो इब्राहिम (अलै) ने अगले दिन ही सौ ऊंट अल्लाह की राह में कुर्बान कर दिए जो ऊंट उनके धन के रूप में उनके पास थे परंतु दोबारा फिर वही सपना इब्राहिम ने देखा तो समझ गए कि अल्लाह तआला मेरे बेटे की कुर्बानी चाहता है उन्होंने अपने बेटे को कुर्बान करने का इरादा कर लिया और उसी दिन अपने बेटे को उस सपने के बारे में बताया कि अल्लाह ताला चाहता है कि मैं तुझे अल्लाह की राह में कुर्बान करूं तेरी क्या राय है।

बेटा भी आखिर नबी का बेटा था आज्ञाकारी पुत्र ने अपने पिता को उत्तर दिया कि बाबाजान आपको अपने पालनहार से जो हुक्म मिला है उस पर अमल कर दीजिए अगर अल्लाह ताआला मेरी कुर्बानी चाहते हैं तो मैं इसके लिए तैयार हूं और हां यह ध्यान रहे कि आप पहले अपने आंखों पर पट्टी बांध लें और मेरे पैर भी बांध दें वह इसलिए कि जब आप मेरी गर्दन पर छुरी चलाएंगे तो आपको मेरा चेहरा दिखेगा जिसकी वजह से आपके हाथ कांप सकते हैं और मेरे पैर इसलिए बांधे की कहीं दर्द के वजह से मैं इधर उधर ना हो जाऊं हजरत इब्राहिम ऐसा ही किया और अपने बेटे की गर्दन पर छुरी रख दी यह कैसी कुर्बानी थी, यह कैसा बलिदान था, एक बाप अपने बेटे कि गर्दन पर छुरी चला रहा था यह सब देखकर फरिश्तों की दुनिया में हलचल सी मच गई, जमीन और आसमान थर्रा गए हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अपने लगतेजिगर की गर्दन पर छोरी चला कर यह साबित कर दिया कि ईशप्रेम से बढ़कर कुछ नहीं यहां तक कि पुत्र प्रेम को भी आड़े नहीं आने दिया इब्राहिम अलैहिस्सलाम का यह ईशप्रेम देखकर ईशवरवाणी हुई बसकर इब्राहिम हमने तेरी कुर्बानी कबूल कर ली हम तो यह देखना चाहते थे कि तुम हमसे सच्चा प्रेम करते हो या नहीं हम यही देखना चाहते थे कि पुत्र प्रेम कहीं ईशप्रेम से तो नहीं बढ़ गया अल्लाह ताला ने उस जगह एक दुम्बा भेजा और हुक्म दिया कि हमने तुम्हारे कुर्बानी कुबूल कर ली हजरत इब्राहिम ने जैसे ही अपनी आंख से पट्टी खोली तो हजरत इस्माइल को सही पाया और उनकी जगह पर अल्लाह के हुक्म पर उस दुंबे की कुर्बानी की महानतम त्याग और बलिदान का यह पर्व हमें यही पैगाम देता है कि हमें हर हाल में अल्लाह के हुक्म को मानना है यह ईश्वर को यह महाबलिदान इतना पसंद आया कि इसे हर साल मनाने का हुक्म दिया ताकि लोग हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम का महाबलिदान याद रहे।

सागर सांसद लता वानखेडे ने निर्माण कार्यो की समीक्षा की

समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूरे करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सागर सांसद श्रीमती लता वानखेडे ने आज संसदीय क्षेत्र में केन्द्र सरकार के द्वारा निर्माण कार्यो के लिए जारी की गई राशि व केन्द्रीय योजना एवं कार्यक्रमो की समीक्षा विदिशा जिले में कर अद्यतन जानकारियों से अवगत हुई है। जिला पंचायत के सभागार कक्ष में आयोजित निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि तथा कलेक्टर अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी श्री हेमंत यादव, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

सांसद श्रीमती लता वानखेडे ने समीक्षा बैठक में विभागो के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से सचेत करते हुए उन सबसे कहा है कि सभी निर्माण कार्य तय अवधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरे कराए जाएं। निर्माण कार्यो के प्रारंभ और लोकार्पण के दौरान जनप्रतिनिधियों को अवश्य रूप से कार्यक्रमो में

आमंत्रित किया जाए। वहीं जो निर्माण कार्य क्रियान्वित हो रहे है कि अद्यतन जानकारियां भी जनप्रतिनिधियो को सांझा करना सुनिश्चित करेंगे।

सांसद श्रीमती वानखेडे ने कहा कि जनता के विश्वास पर अधिकारी खरे उतरे, जनता परेशान ना हो यहीं उद्धेश्य अपने विभागीय निर्माण कार्यो को पूरा करें। यदि कोई किसी समस्या को लेकर फोन करता है तो उसकी बात को धैर्यता से सुनकर रचनात्मक जबाव दें और परिणाममूलक कार्य समय में कर अपने विश्वास की ख्याति में बढोतरी करें।

सांसद श्रीमती लता वानखेडे ने निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि भ्रमण के दौरान विभागीय शिकायते प्राप्त हो रही है खासकर नलजल योजना से संबंधित आधे अधूरे पाइप लाइन गांव में होना, पाइप लाइन से पानी ना मिलना, अनेक जगह ठेकेदार द्वारा पूरा कार्य नहीं किया गया है पर राशि का पूरा भुगतान किया गया है। उन्होंने नल जल योजना के क्रियान्वयन कार्यो को अति गंभीरता से लेने की हिदायत देते हुए कहा कि सबसे पहले जल स्त्रोत का चिन्हांकन किया जाए । पर्याप्त मात्रा में जल की प्राप्ति होने के उपरांत टंकियों का निर्माण कार्य कराया जाए इसके बाद गांव में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन का विस्तारीकरण कार्य किया जाए इस कार्य के दौरान यदि गांव में कहीं सीसी रोड की खुदाई की जाती है तो उसे कार्य पूर्ण होने के बाद पूर्व स्थिति में ही बनाने के प्रबंध क्रियान्वित किए जाए। उन्होंने जल संसाधन, जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यो की पृथक से समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश देते हुए निर्माण कार्यो के सभी विभागो के अधिकारियों से कहा कि आगामी दिशा की बैठक के पहले आज हुई बैठक में जो निर्णय लिए गए है, जिन निर्माण कार्यो में कमियां बतलाई गई है उन सबको दूरस्थ कराते हुए कार्य पूर्ण करें।

समीक्षा बैठक के दौरान शमशाबाद विधायक श्री सूर्यप्रकाश मीणा ने विधानसभा क्षेत्र में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल आपूर्ति के संबंध में हुई दिक्कतो, गांव के बाहर बस्तियों में रहने वाले नागरिकों को पानी और बिजली की आपूर्ति के प्रबंध सुनिश्चित कराने, सभी 70 वर्षीय नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने तथा निर्माण कार्यो के पेटी कांट्रेक्टरों की लंबित भुगतान की राशि जारी करने के निर्देश दिए है।

कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे ने विधानसभा क्षेत्र में निर्माण कार्यो का समय सीमा में पूरा नहीं कराने तथा योजनाओं के लाभ प्राप्ति में हो रही विलम्बता को रेखांकित किया वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने ग्रामीण क्षेत्रो में नल जल योजना के कार्यो तथा एनएच के निर्माण कार्यो के दौरान गांव की सडको की क्षतिग्रस्त होने से अवगत कराया है।

जन अभियान परिषद ने श्रमदान से पुराने जल स्त्रोतों को संवारने में जुटा, पारधा में बनाई मानव श्रंखला

परंपरा और संस्कृति का उत्सव है जल गंगा संवर्धन अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने ग्राम पारधा में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन का पारंपरिक जल स्त्रोतों के महत्त्व को उजागर करना था, बल्कि आमजन में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है। जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाएं एवं परामर्शदाताओं ने ग्रामीण के साथ मिलकर सामूहिक श्रमदान किया। इसके बाद पूरे परिसर को दीपों और रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया,। स्वच्छता अभियान के दौरान पर्यावरण महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। वही कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण केंद्र सामूहिक दीप प्रज्वलन और गंगा आरती का आयोजन रहा। जिसमें सैकड़ों लोगों ने आरती में भाग लेकर भारतीय संस्कृति में जल की महत्ता को नमन किया। गूंजते मंत्रों और भक्ति संगीत के साथ हुए इस आयोजन ने उपस्थित

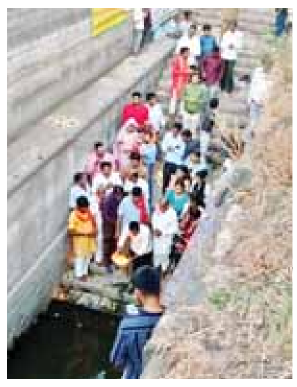

सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। अभियान से संबंधित जानकारी ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी ने दी, वहीं इस दौरान जन कल्याण सेवा समिति संयोजक प्रमोद रघुवंशी, सागर यादव, कृष्णचंद पटेल, इंदर सिंह, देवेंद्र सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

इसके उपरांत पारधा गांव में ही संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला समन्वयक पूजा श्रीवास्तव ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, बावड़ियां सिर्फ जल स्त्रोत नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति और विरासत का हिस्सा हैं। इनके संरक्षण के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और पारंपरिक जल संरचनाओं के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा परंपरा और संस्कृति का उत्सव है जल गंगा संवर्धन अभियान इसलिए हमें हमारे जल स्त्रोतों को बचाना चाहिए है।

मेट्रो एंकर विकासखंड में सरकारी सिस्टम की लाचारी लापरवाही : पात्र होने के बाद भी सम्मेलन से 1 दिन पहले समग्र पोर्टल के चलते कर दिया था आपत्र

किसान के संघर्ष और जांच-पड़ताल के बाद बेटी और को मिला न्याय

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विकासखंड में सरकारी सिस्टम की लाचारी लापरवाही के कारण शादी से एक दिन पहले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत बेटी को सामग्र आईडी में विवाहित होने का हवाला देकर फॉर्म निरस्त कर दिया था इसके बाद पिता ने जनपद कार्यालय पहुंचे कर न्याय की मांग करते हुए जनपद कार्यालय के बाहर धरना दिया काफी देर के बाद जनपद सीईओ बदन शर्मा को अपने साथ हुए अन्याय को लेकर आवेदन देकर कन्यादान योजना में पत्र करने की मांग करते हुए कहा था कि जिसकी लापरवाही से समग्र आईडी के पोर्टल पर ऐसा हुआ है उनके खिलाफ जांच के बाद कार्रवाई करके मुझे मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ दिया जाए जांच के बाद बेटी को न्याय मिला और मुख्यमंत्री कन्या के अंतर्गत जनपद सीईओ ने चैक प्रदान किया । पूरा मामला यह है कि दीपा बघेले का विवाह से एक

खबर का असर

दिन पहले पोर्टल ने विवाहित दर्शा दिया था इसके बाद पिता ने जनपद में दिया धरना गरीब परिवार की शादी की खुशियां उस वक्त परेशानी में तब्दील हो गई जब शादी से महज बारह घंटे पहले ग्राम पंचायत के सचिव ने सूचना दी के आपकी बेटी न पोर्टल पर विवाहित बताई जा रही है इतनी सुनकर पिता और पूरे परिवार के होश उड़ गए ये खबर जैसे ही सुरेन्द्र रघुवंशी को लगी तो बगैर देर किए परिजनों को साथ लिए जनपद पंचायत के गेट पर बैठे न्याय की मांग को लेकर धरना प्रारंभ कर दिया जिसके चलते जनपद सीईओ ने मामले को गंभीरता से लिया ओर आनन फानन में इस मामले की गंभीरता से जांच करवाई।

समग्र पोर्टल पर गलत एंट्री करने वालों लापरवाही उजागर हुई बेटी का विवाह पहले हुआ ही नहीं था - गौरतलब कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना विवाह सम्मेलन में आयोजन के बारह घंटे पूर्व विवाह से अपात्र घोषित की गई ग्राम भगवनपुर बांसखेड़ी अस्पाल की बेटी को ना सिर्फ न्याय मिला बल्कि उनको मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत मिलने वाली 49 हजार की राशि का चेक भी दिया गया शासन के द्वारा प्रदान किया गया। जिससे परिवार में खुशियों की शहनाई गूंज उठी और सभी ने कांग्रेस नेता श्री रघुवंशी सहित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया साथ ही चर्चा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पोर्टल पर एंट्री करने वाले जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई होना चाहिए ये कोई छोटी बात नहीं इनकी लापरवाही से परिवारों के लोगों को कितनी परेशानी उठानी पड़ी जो परिवार अपनी बेटी की दिवाली की तैयारी में लगा हुआ था उसको एक दिन पहले जानकारी जाती है कि तुम्हारा विवाह समग्र पोर्टल में पहले ही हो चुका है इसलिए सम्मेलन के लिए अपात्र है इस तरह की लापरवाही करने वालों पर ठोस करवाई जिम्मेदारियां को करनी चाहिए कि भविष्य में इस तरह के मामले फिर से सामने ना आ सके।

बंगलूरू भगदड़ मामले में फंसे कोहली

सामाजिक कार्यकर्ता ने विराट के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

बंगलूरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी बंगलूरू भगदड़ मामले में फंसते दिखाई दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता एच.एम वेंकटेश ने कोहली को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरसीबी ने मंगलवार को पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। यह इस फ्रेंचाइजी का पहला आईपीएल खिताब था जिसके बाद बंगलूरू में जश्न मनाने का फैसला किया गया था।

फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं

पुलिस सूत्रों ने न्बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता वेंकटेश की शिकायत पर फिलहाल कोहली के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। वेंकटेश ने कोहली को आरसीबी की खिताबी जीत के दौरान मची भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराया है। बंगलूरू में बुधवार को आरसीबी की जीत का जश्न मनाया गया था। इसके लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित किया गया, लेकिन ज्यादा भीड़ आने के कारण स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई और इसमें 11 लोगों की मौत हुई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे।

पीड़िता ने आरसीबी पर दर्ज कराई थी प्राथमिकी

इससे पहले, वेणु नामक पीड़ित ने कब्बन पार्क पुलिस थाने में आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी और भगदड़ के लिए इन्हें जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले, कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को आरसीबी, इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और केएससीए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जिसके बाद कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा था और उन्होंने कोर्ट से चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की थी। केएससीए को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी।

जीत का जश्न मातम में बदला

आरसीबी फ्रेंचाइजी ने घरेलू प्रशंसकों के साथ इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने का फैसला किया था। आईपीएल 2025 की चैंपियन आरसीबी की टीम बुधवार को अहमदाबाद से बंगलूरू पहुंची। बंगलूरू पहुंचने पर चैंपियन खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। बंगलूरू एयरपोर्ट से लेकर टीम होटल और कर्नाटक विधानसौधा के बाहर तक प्रशंसकों का भारी हुजूम लगा रहा। कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बंगलूरू एयरपोर्ट पर आईपीएल की विजेता टीम आरसीबी का स्वागत किया। आरसीबी के खिलाड़ियों का विधानसौधा में सम्मान किया गया जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और राज्यपाल थावर चंद गहलोत भी मौजूद रहे। आरसीबी की टीम इसके बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम गई, लेकिन कार्यक्रम से पहले ही वहां भगदड़ मच गई।

जो धोनी-कोहली ना कर सके, वो कैप्टन गिल कर पाएंगे...?

18 साल से भारत का इंग्लैंड में हाथ खाली, गंभीर की भी अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की नई नवेली टेस्ट टीम जो इंग्लैंड दौरे पर गई है, उसके लिए यह दौरा एक लिटमस टेस्ट होगा। शुभमन गिल की कैप्टंसी तो जज होगी ही, वहीं हेड कोच गौतम गंभीर के लिए भी यह दौरा किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। भारत के लिए इंग्लैंड का दौरा हमेशा चैलेंजिंग रहा है। ऐसे में सवाल है कि क्या 18 साल बाद भारतीय टीम इंग्लैंड में सीरीज जीत पाएगी या नहीं।

भारत ने इंग्लैंड में आखिरी टेस्ट सीरीज साल 2007 में राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में जीती थी। तब भारत ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। उसके बाद चार बार भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया। लेकिन एक भी बार भारत ने कोई सीरीज नहीं जीती है। खास बात यह है कि उस दौरे में गौतम गंभीर भी टीम इंडिया का बतौर प्लेयर हिस्सा थे। दो बार 2011 और 2014 में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारतीय टीम ने इंग्लैंड का दौरा। दोनों ही बार भारतीय टीम को सीरीज में हार मिली। वहीं 2018 और 2022 में विराट कोहली के नेतृत्व में टीम इंडिया ने इंग्लैंड का दौरा किया। 2018 में भारतीय टीम को हार मिली तो तो 2022 के टूर पर भारतीय टीम ने पटौदी ट्रॉफी (अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी) में बराबरी की थी।

2011 में 4-0 से मिली थी हार

2011 में भारत को 4 टेस्ट मैचों की सीरीज में 0-4 से हार मिली थी। 2014 में भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-3 से हार गई थी। 2018 में जब भारतीय टीम कोहली की सरपरस्ती में इंग्लैंड गई तो पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-4 से हार गई। हालांकि 3 साल पहले 2022 में हुई 5 टेस्ट मैचों की सीरीज को भारत ने 2-2 से बराबरी पर छूटी थी। ऐसे में यह साफ है कि टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के सामने एक बड़ी चुनौती है। उन्हें अब वो काम करना है जो महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली जैसे दिग्गज कप्तान भी नहीं कर पाए। शुभमन के साथ हेड कोच गौतम गंभीर का लिटमस टेस्ट भी इस सीरीज में होगा। क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत को 1-3 से हार मिली थी। इस सीरीज में अश्विन ने संन्यास लिया था, वहीं हाल में टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी रिटायरमेंट का ऐलान किया था। ऐसे में नए कप्तान गिल का खुद को साबित करना होगा।

2007 का इंग्लैंड दौरा (भारत 1-0 से जीता)

1. पहला टेस्ट – मैच ड्रॉ, लॉर्ड्स
2. दूसरा टेस्ट – भारत 7 विकेट से जीता, नॉटिंघम
3. तीसरा टेस्ट – मैच ड्रॉ, द ओवल

2011 का इंग्लैंड दौरा (इंग्लैंड 4-0 से जीता)

1. पहला टेस्ट – इंग्लैंड 196 रनों से जीता, लॉर्ड्स
2. दूसरा टेस्ट – इंग्लैंड 319 रनों से जीता, नॉटिंघम
3. तीसरा टेस्ट – इंग्लैंड पारी और 242 रनों से जीता, बर्मिंघम
4. चौथा टेस्ट – इंग्लैंड पारी और 8 रनों से जीता, द ओवल

2014 का इंग्लैंड दौरा (इंग्लैंड 3-1 जीता)

1. पहला टेस्ट – मैच ड्रॉ, नॉटिंघम
2. दूसरा टेस्ट – भारत 95 रनों से जीता, लॉर्ड्स
3. तीसरा टेस्ट – इंग्लैंड 266 रनों से जीता, साउथेम्प्टन
4. चौथा टेस्ट – इंग्लैंड पारी और 54 रनों से जीता, मैनचेस्टर
5. पांचवां टेस्ट – इंग्लैंड पारी और 244 रनों से जीता, द ओवल

2018 का इंग्लैंड दौरा (इंग्लैंड 4-1 जीता)

1. पहला टेस्ट– इंग्लैंड 31 रनों से जीता, बर्मिंघम
2. दूसरा टेस्ट– इंग्लैंड पारी और 159 रनों से जीता, लॉर्ड्स
3. तीसरा टेस्ट – भारत 203 रनों से जीता, नॉटिंघम
4. चौथा टेस्ट – इंग्लैंड 60 रनों से जीता, साउथेम्प्टन
5. पांचवां टेस्ट – इंग्लैंड 118 रनों से जीता, द ओवल

2021-2022 का इंग्लैंड दौरा (2-2 से ड्रॉ)

1. पहला टेस्ट– मैच ड्रॉ, नॉटिंघम
2. दूसरा टेस्ट – भारत 151 रनों से जीता, लॉर्ड्स
3. तीसरा टेस्ट – इंग्लैंड पारी और 76 रनों से जीता लीड्स
4. चौथा टेस्ट – भारत 157 रनों से जीता, द ओवल
5. पांचवां टेस्ट – इंग्लैंड 7 विकेट से जीता, बर्मिंघम

नोवाक जोकोविच का सपना तोड़ जैनिक सिनर फाइनल में...

खिताबी मुकाबला कार्लोस अल्कारेज संग

पेरिस, एजेंसी

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर फ्रेंच ओपन 2025 में मेन्स सिंगल्स स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए हैं. शुक्रवार को रोलां गैरां के फिलिप चैटरियर कोर्ट पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में जैनिक सिनर ने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया। इतालवी खिलाड़ी सिनर ने छठी वरीयता प्राप्त जोकोविच के खिलाफ ये मुकाबला 3 घंटा और 16 मिनट में जीता। सिनर लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगे।

23 वर्षीय जैनिक सिनर का फाइनल में सामना रविवार (8 जून) को वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से होगा। बता दें कि पहले सेमीफाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी ने कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया था। आठवीं वरीयता प्राप्त मुसेट्टी ने मुकाबले से जब हटने का फैसला किया, उस समय अल्कारेज 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे।

जैनिक सिनर पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्हें पिछले साल सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। सिनर के नाम पर अबतक तीन ग्रैंड स्लैम खिताब दर्ज हैं। उन्होंने दो बार ऑस्ट्रेलियन ओपन (2024, 2025) और एक मौके पर यूएस ओपन (2024) जीता। दूसरी ओर यदि अल्कारेज फाइनल जीतते हैं तो ये उनका दूसरा फ्रेंच ओपन और कुल मिलाकर पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब होगा। 22 वर्षीय अल्कारेज ने अब तक दो विम्बलडन (2023, 2024), एक फ्रेंच ओपन (2024) और एक यूएस ओपन (2022) टाइटल जीते हैं।

भारत-इंग्लैंड अनौपचारिक टेस्ट

पहले दिन राहुल ने खेली शतकीय पारी, जुरेल ने जड़ा पचासा

नॉर्थम्प्टन। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल के शतक और ध्रुव जुरेल के अर्धशतक की मदद से भारत ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में सात विकेट पर 319 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय तनुष कोटियान पांच और अंशुल कंबोज एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड लायंस की ओर से क्रिस वोक्स ने तीन, जॉर्ज हिल ने दो, फरहान अहमद और टॉम हेन्स ने एक-एक विकेट लिया है।

इंग्लैंड लायंस ने भारत ए को शुरुआती झटके दिए थे, लेकिन राहुल ने पहले करुण नायर और फिर जुरेल के साथ मिलकर पारी को संभाला। चायकाल के बाद पहले राहुल ने शतक पूरा किया और फिर जुरेल ने अर्धशतक लगाया। हालांकि, अर्धशतक लगाने के बाद जुरेल को जॉर्ज हिल ने बोल्ड किया। जुरेल 87 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। हिल ने जुरेल और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए हुई 121 रनों की साझेदारी को तोड़ा। इसके कुछ देर बाद ही केएल राहुल भी पवेलियन लौट गए।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

36 दिन पुरानी रेड 2 से पहले ही दिन पिछड़ी कमल हासन की ठग लाइफ

इंडियन सिनेमा के आइकॉन माने जाने वाले तमिल फिल्म लेजेंड कमल हासन की नई फिल्म ठग लाइफ, गुरुवार को थिएटर्स में रिलीज हुई। 80 और 90 में साउथ के साथ-साथ हिंदी में भी खूब पॉपुलर रहे कमल हासन की ये फिल्म पैन इंडिया रिलीज थी। इसे ऑरिजिनल तमिल वर्जन के साथ हिंदी और दूसरी भाषाओं में भी रिलीज किया गया। मगर हिंदी दर्शकों को फिर से अपनी फिल्म के लिए थिएटर्स तक खींचना कमल के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। हाल ये है कि पहले दिन ठग लाइफ ने हिंदी में जितनी कमाई की, उससे ज्यादा कलेक्शन 36 दिन पुरानी फिल्म ने कर डाला।

2022 में आई अपनी पैन इंडिया फिल्म विक्रम से कमल हासन ने जैसा कमबैक किया, वो देखकर सब हैरान रह गए थे। ओटीटी पर 4 हफ्ते में ही रिलीज की डील साइन करने के कारण विक्रम को उत्तर भारत के थिएटर्स में बहुत बड़ी रिलीज नहीं मिली थी। लेकिन जिन लोगों ने हिंदी में विक्रम थिएटर्स में देखी थी, वो इसके बड़े फैन हो गए। अधिकतर हिंदी ऑडियंस ने जब ओटीटी पर ये फिल्म देखी तो कमल हासन के कमबैक के कायल हो गए। फिल्म में उनका धांसू एक्शन अवतार बहुत चर्चा में रहा। इसका फायदा ये हुआ कि हिंदी दर्शकों को फिर से कमल की पुरानी लिगेसी याद आई और इसी धुन पर सवार होकर जनता ने उनकी अगली पैन इंडिया फिल्म इंडियन 2 को भी एक मौका दिया। मगर ये फिल्म इतनी खराब निकली कि इसे फिर ऑडियंस नहीं मिली।

ओटीटी पर नहीं रिलीज होगी सितारे जमीन पर

आमिर खान ने फिल्म को लेकर किए कई खुलासे

बॉलीवुड के परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में हैं। एक मीडिया इंटरैक्शन में उन्होंने रिलीज से जुड़े कन्फ्यूजन और न्यूरोडायवर्जेंट पीड़ितों संग अपने अनुभव समेत कई अहम बातें शेयर कीं।

आमिर खान ने इस दौरान कहा, 'इस फिल्म की रिलीज को लेकर कई बातें सामने आई हैं और इससे जुड़ी कई चर्चाएं चल रही हैं। मैं ये साफ करना चाहता हूं कि मेरी फिल्म 'सितारे जमीन पर' केवल थिएटर में रिलीज होगी।' उन्होंने आगे कहा, 'ओटीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का आजकल काफी प्रभाव है, लेकिन मैं थिएटर को प्राथमिकता देता हूं और इसी पर अपना पूरा ध्यान लगा रहा हूं। इसलिए जो भी कन्फ्यूजन है, उसे दूर करते हुए मैं दोहराना चाहता हूं कि फिल्म केवल थिएटर में ही रिलीज होगी।' फिल्मों के ऑनलाइन लीक होने को लेकर भी अभिनेता ने बात की। उन्होंने कहा, 'थिएटर के सामने सबसे बड़ी मुसीबत पायरेसी है। यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है जो फिल्म इंडस्ट्री के लिए काफी नुकसानदेह है। पायरेसी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए, लेकिन आजकल यह बहुत ज्यादा हो रही है, जो बहुत ही दुखद है।' आमिर ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं तो ये पहली बार हुआ कि पूरी शूटिंग के दौरान एक भी बार किसी तरह का टकराव नहीं हुआ। वरना आमतौर पर हर फिल्म में कहीं न कहीं डायरेक्टर-डीओपी के बीच या प्रोडक्शन और कॉस्ट्यूम डिजाइनर के बीच कुछ न कुछ हो ही जाता है।

'स्क्रीनिंग आम लोगों के लिए रखी'

आमिर ने फिल्म की स्क्रीनिंग को लेकर कहा, 'मैं हर फिल्म की टेस्ट स्क्रीनिंग करता हूं लेकिन उसमें मैं फिल्म के लोगों को नहीं बुलाता। डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, ऐक्टर्स – इनका नजरिया अलग होता है। मैं ऑडियंस को बुलाता हूं वो जो आम लोग हैं, जिनका सीधा कनेक्शन सिर्फ स्टोरी से होता है, इमोशन से होता है। और वही असली रिएक्शन होता है मेरे लिए।' आमिर ने कहा, 'इस फिल्म में भी हमने यही किया और बहुत स्ट्रॉन्ग रिस्पॉन्स मिला। लोगों को फिल्म बहुत पसंद आई। खास तौर पर ये जो 10 किरदार हैं और ये जो रियल न्यूरोडाइवर्जेंट ऐडल्ट्स हैं, इनका काम देखकर लोग हैरान रह गए।'

मेट्रो बाजार

ट्रम्प से झगड़े से मस्क को घाटा नेटवर्थ 3 लाख करोड़ कम हुई

मुंबई– दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की नेटवर्थ एक दिन में करीब 3 लाख करोड़ रुपए घट गई है। मस्क की कुल संपत्ति अब 334 बिलियन डॉलर हो गई है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक मस्क को नवंबर 2021 के बाद एक दिन में हुआ यह सबसे बड़ा नुकसान है। इसके साथ ही उनकी कंपनी का मार्केट कैप करीब 13 लाख करोड़ रुपए घट गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इलॉन मस्क के बीच सोशल मीडिया पर छीड़ी बहस के निवेशकों में डर फैल गया जिससे ये गिरावट आई। टेस्ला का शेयर 5 जून को 14.26त्न गिरकर 284.70 डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि बड़ी गिरावट के बाद शेयरों में आज 7त्न की तेजी है। बीते 6 महीने में शेयर करीब 25त्न गिरा है। हालांकि, एक साल में शेयर 60त्न चढ़ा है। 6 जून 2024 में इसकी कीमत 178 डॉलर थी। दिसंबर 2024 में इसने 488 डॉलर का 52 वीक हाई बनाया था। वहीं इसका 52 वीक लो 167.42 डॉलर है।

अब गोल्ड पर मिलेगा ज्यादा लोन: एक लाख कीमत के सोने पर 85,000 तक कर्ज देंगे बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू रेश्यो 75 फीसदी से बढ़ाकर 85त्न कर दिया है। यानी अब 1 लाख रुपए की गोल्ड वैल्यू पर 85,000 रुपए तक लोन मिल सकेगा, पहले यह सीमा 75,000 रुपए थी।

2.5 लाख रुपए तक के छोटे गोल्ड लोन पर क्रेडिट अप्रेजल की जरूरत नहीं होगी, यानी कागजी कार्रवाई कम होगी और लोन जल्दी मिलेगा। इससे छोटे कर्जदार खासकर ग्रामीण और छोटे शहर वाले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए के लिए लोन लेना और आसान हो जाएगा।

वहीं 2.5 से 5 लाख रुपए तक के गोल्ड लोन पर ये एलटीवी 80फीसदी रहेगी। 5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर एलटीवी को 75 फीसदी रखा गया है। 2.5 लाख रुपए से ज्यादा के लोन पर क्रेडिट अप्रेजल लेना होगा। इस फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस और आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों में 2 फीसदी से 7 फीसदी तक की तेजी देखी गई। आरबीआई के नए फैसले से गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयर में 7 फीसदी की तेजी रही। शेयर 2,454 रुपए के के स्तर पर बंद हुआ है। इसके अलावा मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर 5.64 फीसदी बढ़कर 247 रुपए तक पहुंच गया। आईआईएफएल फाइनेंस का शेयर भी 5.20 फीसदी चढ़कर 451 रुपए पर आ गया है। इस पहले वित्त मंत्रालय ने आरबीआई को सुझाव दिया था कि 2 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन को सख्त नियमों से छूट दी जाए, ताकि छोटे कर्जदारों को जल्दी लोन मिल सके। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, नए नियमों से गोल्ड लोन सेक्टर में पारदर्शिता और लचीलापन आएगा। फाइनल गाइडलाइंस सोमवार तक जारी हो जाएंगी।

बैरसिया और खजूरी सड़क इलाके में अवैध कारोबार चरम पर

लग्जरी कार से सप्लाई हो रही थी लाखों रुपए की अवैध शराब जब्त, 3 गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया और खजूरी सड़क इलाके में लग्जरी कारों से अवैध शराब की सप्लाई करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों कारों से लाखों रुपए की अवैध शराब और परिवहन में उपयोग की गई कारें जब्त की गई हैं। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिए गए हैं। बैरसिया पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग की स्कार्पियो कार में अवैध शराब लादकर ग्राम खेजड़ा मिश्र से सिरोज की तरफ जाने वाली है। इस सूचना के बाद पुलिस टीम ने खेजड़ा रोड पर चैकिंग लगाई तो बताए गए हुलिए की स्कार्पियो आती हुई दिखी। पुलिस ने कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें कुल 17 पेटी अवैध शराब लदी मिली। पुलिस ने 72 हजार की अवैध शराब और 10 लाख रुपए कीमत की कार जब्त कर ली है। इस मामले में दो आरोपियों पंकज साहू (25) और सचिन अहिरवार (23) दोनों निवासी बैरसिया को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। इधर रात्रि गश्त के दौरान खजूरी सड़क पुलिस को सूचना मिली कि सफेद रंग की एक कार में अवैध शराब भरकर सीहोर से भोपाल की तरफ लाई जा रही है। इस सूचना के बाद पुलिस टीम ने ग्राम फंदा स्थित तूमड़ा जोड़ के पास स्टापर लगाकर चैकिंग शुरू की। कुछ देर बाद बताए गए हुलिए की कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो चालक ने कार रोकी और उतरकर भाग निकला। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पीयूष यादव बताया। कार की तलाशी लेने पर 30 लीटर अंग्रेजी शराब रखी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त हुई शराब की कीमत 48 हजार रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

तीन नाबालिगों से चोरी की दो बाइक, 10 मोबाइल सहित आईफोन बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

तलैया पुलिस ने तीन नाबालिगों से चोरी की दो बाइक सहित दस मोबाइल और आईफोन जब्त किया है। जब्त मोबाइल सहित बाइक की कीमत 4 लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है। तीनों नाबालिगों को किशोर न्यायालय में पेश कर दिया गया। वहां से उन्हें बाल सुधार गृह भेजा गया है। थाना प्रभारी दीपक डेहरिया ने बताया कि इलाके में हो रही चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने और संदिग्धों की धरपकड़ की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तीन संदिग्ध केव? के बाग, नगर निगम प्लांट के पीछे खड़े हुए हैं। उनके पास मौजूद बाइक चोरी की हो सकती है। पुलिस ने मुखबिर के बताए अनुसार इलाके की घेराबंदी की और तीनों संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि वह नाबालिग है। बाइक के बारे में पूछताछ करने पर उन्होंने उक्त बाइक चोरी करने की बात स्वीकारी। पूछताछ में नाबालिगो से चोरी की दो बाइक और दस मोबाइल सहित एक आईफोन बरामद किया गया। बालअपचारियों ने बताया कि उन्होंने अपने शौक पूरे करने बाइक और मोबाइल चोरी किए थे।

ऑटो में टक्कर मारने के बाद कार चालक ने की मारपीट

हबीबगंज इलाके में हुआ हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज इलाके में एक तेज रफ्तार कार चालक ने आटो में कट मार दिया और दसलूकी करते हुए भाग निकला। आगे जाकर आटो में सवार नाबालिग ने जब कार चालक से कट मारने की शिकायत की तो उसने अपने बेटे के साथ मिलकर नाबालिग और उसके साथियों के साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी कार चालक और उसके साथियों के खिलाफ एक्सीडेंट और मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अयान खान (17) मीराबाई मंदिर हबीबगंज में रहता है और पुताई का काम करता है। शुक्रवार की रात वह अपने परिवार वालों के साथ पुराने शहर से खरीददारी करने के बाद आटो से घर लौट रहा था। राहुल नगर स्थित सीएनजी टैंक से आटो में गैस भरवाने के बाद आटो चालक मीराबाई मंदिर जाने के लिए निकला था। कोलार तिराहे के आगे एक तेज रफ्तार कार के चालक ने उसके आटो में कट मार दिया और बदसलूकी करते हुए वहां से भाग निकला। आटो चालक ने कार का पीछा किया तो वह ग्लोबस अस्पताल के आगे बांसखेड़ी चौराहे के बीच मिल गया। अयान ने कार चालक से कट मारने की शिकायत की तो वह उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। साथ में मौजूद परिजनों ने इसका विरोध किया तो कार चालक नेत अपने बेटे को बुला लिया। उसके बाद दोनों ने हाथ मुक्कों और डंडों से अयान और उसके साथियों के साथ मारपीट कर दी। बाद में वह धमकी देते हुए भाग निकला।

स्कार्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद इलाके में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बुलेट बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बुलेट सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दो युवतियों को हल्की चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले स्कार्पियो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार मूलत:-रोहतास बिहार निवासी मुकेश कुमार (22) यहां सोनागिरी पिपलानी में रहता है। वह निजी कालेज से नर्सिंग फाइनल इयर की पढ़ाई कर रहा है। गुरुवार की रात करीब बारह बजे वह अपने दोस्त की बुलेट बाइक से दो युवतियों को रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए संत हिरदाराम नगर जा रहा था। रात करीब पौने बारह बजे वह जिंसी जहांगीराबाद पहुंचा, तभी राज टाकीज की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तारा स्कार्पियो कार ने उसकी बुलेट में टक्कर मार दी। इस हादसे में मुकेश कुमार को गंभीर चोट आई है, जबकि दोनों युवतियों को हल्की चोट आई है। गंभीर रूप से घायल मुकेश को इलाज के लिए चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मुकेश के बयान लेने के बाद स्कार्पियो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बाइक की टक्कर से स्कूटर सवार युवक घायल

भोपाल। गोविंदपुरा इलाके में बाइक की टक्कर से स्कूटर सवार एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने घायल व्यक्ति की पत्नी की रिपोर्ट पर टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार राधा नन्हेटे (35) विकास नगर गोविंदपुरा में रहती हैं और प्रायवेट काम करती हैं। राधा ने पुलिस को बताया कि पिछले दिनों उनके पति उमाशंकर अपनी हैंडीकैप स्कूटर से फास्ट फूड की दुकान पर जाने के लिए निकले थे। सिटी अस्पताल के पास गौतम नगर मोड़ पर टर्न लेते हुए रॉग साइड से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उमाशंकर की स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उमाशंकर को इलाज के लिए रायसेन रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल वह चलने-फिरने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए पत्नी राधा ने थाने पहुंचकर एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

इलेक्ट्रिशियन ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, सुसाइड नोट मिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित क्रिशमस सिटी बोरदा में शुक्रवार शाम एक इलेक्ट्रिशियन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उन्होंने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 51 साल के आनंद पुरम, क्रिशमस सिटी, बोरदा, कोलार में रहते थे। वे इलेक्ट्रिशियन थे। वे यहां अपनी पत्नी के साथ रह रहे थे। उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम आनंद ने पीछे वॉश एरिये में फांसी लगा ली। उन्हें फांसी के फंदे पर लटका देख पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। जिसमें उसने लिखा मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। जीवन से परेशान हूं। प्राथमिक जांच में पता चला कि आनंद पुरम को चर्म रोग था और वह अपना इलाज करा रहे थे। चर्म रोग के कारण वह परेशान रहते थे।

नहीं मिला सुसाइड नोट

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित विकास नगर में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह नशे का आदी था। साथ ही फेफड़े में इंफेक्शन होने के कारण वह दुखी था। पुलिस के अनुसार कृष्णा चौधरी पिता महेश चौधरी (40) विकास नगर, झुग्गी गोविंदपुरा में रहता था और बिजली फिटिंग का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। पत्नी ने बताया कि कृष्णा ने शुक्रवार दोपहर घर में फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन मृतक और घर से सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। अत्यधिक नशे के कारण उसके फेफड़े खराब हो गए थे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ईश्वर नगर में बीती रात एक युवक ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर कोलार स्थित निजी अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक का कमरा सील कर दिया है। आज पीएम के बाद पुलिस मृतक के कमरे की तलाशी लेगी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस के अनुसार सचिन नागवंशी पिता रामसुंदर नागवंशी (32) ईश्वर नगर झुग्गी, शाहपुरा में रहता था और प्राइवेट काम करता था। शुक्रवार रात करीब 9 बजे उसने अपने घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि परिजन अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। बयान के बाद ही आत्महत्या के कारण का पता चल सकेगा।

स्कूल में रखी बच्चों की किताबें चोरी

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित आरिफ नगर में शासकीय नवीन हाई स्कूल से किताबें चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिक्षक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि संदीप सक्सेना माध्यमिक शाला में शिक्षक हैं। उन्होंने शिकायत में बताया कि शासकीय नवीन हाई स्कूल दो जून को स्कूल खुला तब चोरी का पता चला। अध्यापिका फरहत रफीक कक्ष में पहुंची तो कमरे और अलमारी का ताला टूटा था। उन्होंने घटना की शिकायत प्राचार्य अनीता शर्मा को दी। प्राचार्य पहुंची और उन्होंने संदीप सक्सेना को कह कर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा कि स्कूल के बंद होने से चोरी कब हुई है इसका पता लगा रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

नया भोपाल संभाग लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 08/व.ले.लि./2025-26 भोपाल, दिनांक 30.05.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि
1	2025_PWDRB_427618_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-1 (74 बंगलो) के बी, सी एवं डी टाइप बंगलो एवं अन्य बंगलो के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./ एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	80.00	80000.00
2	2025_PWDRB_427619_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 2 एवं 3 के एफ, जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./ एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	49,00	50000.00
3	2025_PWDRB_427620_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-4 के एफ, जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर/ एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000.00
4	2025_PWDRB_427621_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-5 के एफ, जी एवं एच टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000.00
5	2025_PWDRB_427623_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 6 के एफ, जी एवं एच टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर / एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000.00
6	2025_PWDRB_427624_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-7अ के एफ. जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर. / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000.00
7	2025_PWDRB_427625_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-2 एवं 3 के एफ, जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
8	2025_PWDRB_427626_1	उपसंभाग क्र-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-4 के एफ एवं जी टाइप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
9	2025_PWDRB_427627_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-5 के एफ, जी एवं एच टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
10	2025_PWDRB_427628_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-6 के एफ एवं जी टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
11	2025_PWDRB_427629_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-7अ के एफ एवं जी टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
12	2025_PWDRB_427630_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-7अ के एच एवं आई टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एंव पेटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
13	2025_PWDRB_427631_1	उपसंभाग क्र-1. लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-1 (74 बंगला) के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	50.00	50000.00
14	2025_PWDRB_427632_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-2, 3, 4 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
15	2025_PWDRB_427633_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-5 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
16	2025_PWDRB_427634_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्रं.-6 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
17	2025_PWDRB_427635_1	उपसंभाग क्रं-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 7अ के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000.00
		योग		729.00	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 20.06.2025 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकता है।

G-13961/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल" **कार्यपालन यंत्री, नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)**

मेट्रो एंकर

तीन श्रेणियों में दिया गया पुरस्कार

50 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मिला परम विशिष्ट, अति विशिष्ट सहित विशिष्ट पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वर्ष 2019-20 के लिए 50 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परम विशिष्ट, अति विशिष्ट और विशिष्ट श्रेणी का केएफ रूस्तम जी पुरस्कार 2021-22 के लिए 51 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मिला परम विशिष्ट, अति विशिष्ट एवं विशिष्ट श्रेणी का के.एफ.रूस्तम जी पुरस्कार विशिष्ट सेवाओं के लिए दिए जाने वाले पुरस्कार की घोषणा की गई है। अपनी परम विशिष्ट, अति विशिष्ट और विशिष्ट सेवा देने वाले 50 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को यह पुरस्कार दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि केएफ रूस्तम जी पुरस्कार उन अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया जाता है जिन्होंने दस्यु उन्मूलन अभियान, नक्सल विरोधी अभियान, सांप्रदायिक दंगो व कानून व्यवस्था की गंभीर परिस्थितियों के नियंत्रण में असाधारण कार्य करते तथा उच्चकोटि की वीरता का प्रदर्शन किया हो। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किया जाता है।

यह परम विशिष्ट पुरस्कार से सम्मानित

परम विशिष्ट पुरस्कार की श्रेणी में आने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारी को पिस्टल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। इस पुरस्कार के लिए पहला नाम राजेश सहाय, तत्कालीन जोनल पुलिस अधीक्षक, कार्यालय जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, जिला इंदौर हाल पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त इंदौर का है। इसी प्रकार दूसरा नाम राजेश तिवारी, तत्कालीन अति. पुलिस अधीक्षक, जिला नरसिंहपुर हाल सेवानिवृत्त महिला सुरक्षा, जबलपुर का है। तीसरा नाम पुरस्कार के लिए ओम प्रकाश चौंगडे, तत्कालीन उप निरीक्षक, थाना मझगवां, जिला सतना हाल कार्यवाहक निरीक्षक जिला बड़वानी का है।

अति विशिष्ट श्रेणी पुरस्कार से सम्मानित

: अति विशिष्ट श्रेणी में आने वाले कर्मचारी और अधिकारी को बारह बोर गन एवं प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसमें मनोज शर्मा, निरीक्षक, अनुभाग 3, विशेष शाखा, मुख्यालय, भोपाल, ज्योति तिवारी, तत्कालीन महिला आरक्षक, अ.अ.वि. (विशेष किशोर इकाई), जिला सागर हाल कार्यवाहक प्रधान आरक्षक।

विशिष्ट श्रेणी

पचास हजार रुपए एवं प्रमाण पत्र: शालिनी दीक्षित, तत्का. सहायक पुलिस महानिरीक्षक, महिला अपराध शाखा, पुलिस मुख्यालय भोपाल हाल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस भोपाल, संदेश कुमार जैन, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सायबर क्राइम ब्रांच जिला पुलिस बल, भोपाल हाल पुलिस अधीक्षक, रेडियो भोपाल, विनय प्रकाश पॉल, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल को सहित अन्य को मिला है। इसी प्रकार विशिष्ट श्रेणी में 50 हजार रुपए और प्रमाण पत्र से अन्य अधिकारी और कर्मचारियों को नवाजा गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022